MUMBAI TARANG TM

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

प्रेम सिर्फ अपने काम और ईश्वर से करो, क्योंकि ये दोनो कभी धोखा नही देते.!

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
8401376537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-35 ❖ मुंबई ❖ रविवार 22 से 28 अगस्त 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
छत्रपति शिवाजी की 'गरुड़ उड़ान' को दोहराने निकले उनके सेनापति के वंशज

पेज 5
गौतम अडाणी को झटका- सेबी ने लगाई अडाणी विल्मर के IPO पर रोक, जानिए क्या है वजह

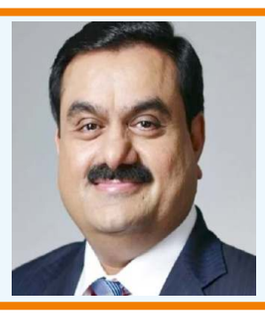

पेज 7
बेल बॉटम-20 सितंबर को होगी अक्षय कुमार की फिल्म ओटीटी पर रिलीज, तकरीबन 75 करोड़ में बिकी है यह फिल्म

पेज 8
कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ईडी के सामने पेश होऊंगा-देशमुख

आदिवासी संस्कृति-परंपराओं का संरक्षण करके पालघर का करो विकास!

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हाथों नए प्रशासनिक भवन का लोकार्पण

मुंबई, जिले की आदिवासी संस्कृति व कला देशभर में प्रसिद्ध है। वारली पेंटिंग वैश्विक स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में जिले की आदिवासी संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करते हुए विकास कार्य करें। इसके साथ ही नए भवन की प्रतिष्ठा बढ़ाने के निर्देश मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल प्रशासनिक अधिकारियों को दिए। नव सुसज्जित जिला कलेक्टर कार्यालय, जिला परिषद कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय के नव सुसज्जित भवन का ऑनलाइन उद्घाटन कल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हाथों किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उक्त निर्देश दिए। इस अवसर पर गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटील, राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात, नगरविकास मंत्री एकनाथ शिंदे, राजस्व व ग्राम विकास मंत्री अब्दुल सत्तार, सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आपदा से निपटने के लिए प्रशासन तैयार

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि समुद्री और पहाड़ी इलाका होने के कारण यहां प्राकृतिक आपदा का खतरा ज्यादा है। चक्रवात 'तौकते' से जिले में भारी नुकसान हुआ है। क्षतिग्रस्त क्षेत्र का पंचनामा कर पीड़ितों के लिए मदद वितरण का कार्य शुरू है। जिला प्रशासन द्वारा कोरोना काल में उठाए गए कदमों से जिले में कोरोना मरीजों की संख्या में कमी आई है। जिला प्रशासन ने संभावित तीसरी लहर के लिए ऑक्सीजन परियोजना की स्थापना की है। जिला ऑक्सीजन के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। जिला प्रशासन किसी भी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए तैयार है, ऐसा भी मुख्यमंत्री ने कहा।

आदिवासी संस्कृति को दें बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन को पालघर जिले की आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए काम करना चाहिए। जिले में वन संपदा है। औषधीय गुणों वाली वनस्पतियां हैं। जिले का अहम फल चीकू सात समुद्र पार चला गया है। वारली पेंटिंग विश्व प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि इन सभी चीजों को गति देकर जिले की एक अलग पहचान निर्माण करने के लिए प्रोत्साहन दिए जाएंगे। जिले में औद्योगीकरण ने कई लोगों को रोजगार प्रदान कराया है। जिले में उद्योग को विकसित करने के लिए उद्योग जगत को विभिन्न रियायतें देकर उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्कूल शुरू करने का निर्णय पांच दिन में होगा? स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने दिया संकेत

मुंबई, राज्य के स्कूल और महाविद्यालय को शुरू करने के संदर्भ में आगामी चार-पांच दिनों में निर्णय लिया जाएगा, ऐसा संकेत स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने दिया है। स्कूली शिक्षा विभाग और उच्च तकनीकी शिक्षा विभाग की रिपोर्ट टास्क फोर्स को प्राप्त होने के बाद इस संदर्भ में आगे निर्णय लिया जाएगा। राज्य सरकार ने इससे पहले स्कूल शुरू करने के संदर्भ में निर्णय लिया था परंतु बच्चों का टीकाकरण न होने के कारण टास्क फोर्स के विरोध के कारण इस निर्णय को तत्काल स्थगित करना पड़ा था, आगे इस पर क्या निर्णय होगा, इस ओर विद्यार्थी और अभिभावकों का ध्यान लगा हुआ है। कॉलेजों और स्कूलों के मामले में हमने स्पष्ट कर दिया है कि दोनों विभागों को इस संबंध में निर्णय लेना है। उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत और स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ हैं। इन दोनों से मेरी चर्चा हुई है। दोनों का कहना है कि टास्क फोर्स का जो कहना है वह महत्वपूर्ण है। टास्क फोर्स की रिपोर्ट चार से पांच दिन में आएगी। उसके बाद संबंधित विभाग चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे, ऐसा स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा। वर्षा गायकवाड़ ने घोषणा की थी कि राज्य में १७ अगस्त से स्कूल को शुरू किया जाएगा। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने पाबंदियों में ढील की घोषणा करते हुए स्पष्ट किया था कि स्कूल शुरू करने का फैसला टास्क फोर्स की बैठक के बाद लिया जाएगा।

मुंबईकरों को जल्द मिलेंगी बेस्ट की आरामदायक बसें!

- बेस्ट के बेड़े में शामिल होंगी ४०० नॉन एसी सीएनजी बसें
- पहली खेप जल्द ही, तो अक्टूबर में पूरी होगी डिलिवरी

मुंबई, महानगर में परिवहन सेवा आपूर्ति करनेवाली अथवा मुंबई की दूसरी लाइफलाइन कही जानेवाली बेस्ट बसों के बेड़े में जल्द ही ४०० नई नॉन एसी सीएनजी बसों की खेप को शामिल किया जाएगा। पिछले महीने जुलाई में बेस्ट के बेड़े से १५ वर्ष पुरानी हो चुकी ६६४ बसों को रिटायर्ड किया गया है। उनकी जगह पर अब नई ४०० नॉन एसी सीएनजी बसों को शामिल किया जाएगा।

बेस्ट के बेड़े में शामिल होनेवाली इन ४०० बसों को पूरी तरह से कॉन्ट्रेक्ट पर चलाया जाएगा। बेस्ट सिर्फ इसका सुपरविजन करेगी। इसके लिए पहले ही दिसंबर महीने में नया कॉन्ट्रेक्ट हस्ताक्षर किया जा चुका है। निजी कंपनी ये बसें किराए पर उपलब्ध कराएगी। इन नए आधुनिक नॉन एसी सीएनजी बसों की पहली खेप जल्द ही बेस्ट को मिलनेवाली है। अक्टूबर महीने तक ये सभी ४०० बसें बेस्ट के बेड़े में शामिल कर दी जाएंगी।

संचालन बेस्ट के हाथ में, बाकी सब निजी कंपनी देखेगी

बेस्ट द्वारा किए गए निजी कंपनी के साथ कॉन्ट्रेक्ट में कंपनी यहां बस के साथ ड्राइवर और कंडक्टर भी देगी। इसके अलावा ईंधन और मेंटेनेंस का खर्च भी खुद देखेगी। बेस्ट सिर्फ एक निर्धारित रकम प्रत्येक बस संचालन के लिए उस कंपनी को देगी। बेस्ट सिर्फ उक्त बस को चलवाएगी।

तो निजी कंपनी का कंडक्टर होगा

दंडित इससे पहले बेस्ट की बैठक में विपक्ष ने प्राइवेट कंडक्टर द्वारा यात्रियों से किराया वसूली पर भरोसा करने को लेकर सवाल उठाया था। लेकिन बेस्ट के महाप्रबंधक लोकेश चंद्र ने इस मामले में स्पष्ट कहा था कि बेस्ट सुपरवाइज कर उन पर बराबर नजर रखेगी। यदि कोई भी यात्री बिना टिकट पाया जाता है, तो इसके लिए बेस्ट कंडक्टर को दंडित किया जाएगा। बसों की खिड़कियां होंगी बड़ी बेस्ट अधिकारियों की मानें तो ये नई बसें यात्रियों की सुविधा को देखते हुए बनाई गई हैं। आम जनता के लिए यह बसें पूरी तरह से आरामदायक होंगी। बेस्ट यात्री सुदीप कुलकर्णी ने अपेक्षा व्यक्त की है कि जिस प्रकार से एमयूटीपी योजना के तहत बेस्ट के बेड़े में बसें शामिल हुई थीं। उसी प्रकार की ये बसें होंगी तो अच्छा होगा। वह बसें काफी आरामदायक हैं। उनकी बड़ी खिड़कियां, बसों में सस्पेंशन के चलते पिछली सीट पर बैठने में भी लोगों को कोई झिझक नहीं होती है। हम आशा करते हैं कि नई बसें भी इसी तरह की होंगी।

रसोई में महंगाई का तड़का!

सिलिंडर हुआ २५ रुपए महंगा

मुंबई, कोरोना काल में तंगी से जूझ रहे आम आदमी की रसोई में वैसे ही स्वाद फीका था लेकिन अब केंद्र सरकार और पेट्रोलियम कंपनियों की नीति के चलते आम लोगों के घरों की रसोई में महंगाई का 'तड़का' लगा है। सामान्य परिवार को एक बार फिर झटका देते हुए पेट्रोलियम कंपनियों ने रसोई गैस की कीमतों में फिर से बढ़ोत्तरी कर दी है। इन कंपनियों ने जनता की मौजूदा हालत को नजरअंदाज करते हुए नॉन सब्सिडी रसोई गैस सिलिंडर की कीमत २५ रुपए बढ़ा दी है। मुंबई और दिल्ली में १४.२ किलोवाले एलपीजी सिलिंडर की कीमत अब ८५९.५ रुपए हो गई है जबकि इससे पहले ये ८३४.५० रुपए का मिल रहा था। इसके पहले १ जुलाई को सिलिंडर के दाम २५.५० रुपए बढ़ाए गए थे। आंकड़ों के अनुसार पिछले एक वर्ष में कई बार पेट्रोलियम कंपनियों ने गैस सिलिंडर के दाम बढ़ाए हैं। एक वर्ष में सिलिंडर की कीमतों में २७५ रुपए की वृद्धि हुई हैकेंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण गैस

सिलिंडर की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। सिलिंडर की कीमतों में मानों पंख लग गया है। इस वर्ष जनवरी से देखें तो सिलिंडर के दाम १६५.५० रुपए तक बढ़ चुके हैं जबकि एक साल में लगभग २७५ रुपए की वृद्धि हुई है। साल २०२१ की शुरुआत यानी जनवरी में मुंबई और दिल्ली में एलपीजी सिलिंडर का दाम ६९४ रुपए था, जिसे फरवरी में बढ़ाकर ७१९ रुपए किया गया। फिर १५ फरवरी को इसमें ७६९ रुपए की वृद्धि की गई। इसके बाद २५ फरवरी को सिलिंडर के दाम ७९४ रुपए और मार्च में फिर बढ़ाकर ८१९ रुपए कर दिया गया। अप्रैल की शुरुआत में हुई १० रुपए की कटौती के बाद घरेलू रसोई गैस के दाम दिल्ली में ८०९ रुपए हो गए थे। कहां, कितने में मिलेगा?

– नए दर के अनुसार एलपीजी सिलिंडर की कीमत मुंबई में ८५९.५ रुपए, दिल्ली में ८५९.५ रुपए, कोलकाता में ८८६ रुपए, चेन्नई में ८७५.५० रुपए, लखनऊ में ८९७.५ रुपए, अमदाबाद में ८६६.५० रुपए हो गई है।

मुन्ना भाई कर रहे थे मरीजों का इलाज

मुंबई, चिकित्सक को लोग धरती पर ईश्वर का दूसरा रूप मानते हैं लेकिन आज चिकित्सक का पेशा कमाई का रास्ता बन गया है। इसी वजह से आज चिकित्सा के पेशे में बड़ी संख्या में 'मुन्ना भाई' यानी फर्जी डॉक्टरों की घुसपैठ हो गई। ये मुन्ना भाई डॉक्टरी की शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल किए बगैर ही मरीजों की जान से खिलवाड़ करते हैं। 5 ऐसे ही फर्जी डॉक्टरों पर कल कानून का डंडा चला। मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच की यूनिट 6 के अधिकारियों की सतर्कता के कारण फर्जी डॉक्टरों के ठगी की दूकान बंद हो गई है।

मुंबई में डेढ़ साल बाद शुरू हुई लोकल ट्रेन

नए नियम बने लोगों के लिए मुसीबत

मुंबई, लोकल ट्रेनों में सामान्य लोगों को अनुमति मिले बमुश्किल चार दिन हुए हैं और नई मुसीबतें सामने आने लगी हैं। पहली मुसीबत तो ये है कि लोगों को सिर्फ मासिक टिकट मिलता है, ऐसे में सोचिए कि आपके पास केवल चर्चगेट से बोरिवली तक का सीजन टिकट हो और आपको कभी विरार भी काम पड़ गया, तो आपको टिकट नहीं मिलेगा। दूसरी मुसीबत ये है कि करीब डेढ़ साल बाद ट्रेनों में चलने के बाद जब नए शेड्यूल से दो चार हुए, तो पता चला पुरानी सेवाएं ही रद्द कर दी गईं, जिनसे बरसों से आना-जाना होता था। भाईंदर से मरीन लाइंस आने वाले व्यापारियों में 11:52 एएम की ट्रेन काफी मशहूर थी। कालबादेवी के एक व्यापारी नरेंद्र मेहता बताते हैं कि करीब 15 सालों से सभी व्यापारी मंडली के लिए ये फास्ट ट्रेन उसके जीवन का हिस्सा बन चुकी थी, जिसे रेलवे ने फिलहाल शेड्यूल से हटा दिया है। ZRUCC के सदस्य शैलेश गोयल ने बताया कि मुंबई के दो मिनट से लोगों का पूरा दिन का शेड्यूल बिगड़ जाता है। रेलवे को इस तरह फेरबदल करने से पहले लोगों की बात सुननी चाहिए। इस ट्रेन को शेड्यूल से हटाने के बाद व्यापारी वर्ग द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए विरोध दर्ज कराया जा रहा है। सप्ताह में दो बार जाने वाले क्या करें? 11 अगस्त से सामान्य लोगों को रजिस्ट्रेशन की शर्तों से गुजरने के बाद लोकल ट्रेनों का मासिक पास मिलने लग गया। 15 अगस्त से इनकी यात्रा शुरू हो गई। शुरुआती भीड़ देखकर लगा कि इस महीने यात्रियों की संख्या 50 लाख तक पहुंच जाएगी लेकिन ऐसा नहीं है। अब पता चल रहा है कि कई लोग सप्ताह में केवल 2 या 3 बार ही यात्रा कर रहे हैं। विरार से मालाड यात्रा करने वाले विमल जोशी कहते हैं,"सप्ताह में दो बार ऑफिस जाना पड़ता है लेकिन सीजन टिकट पूरे महीने की खरीदनी है। सरकार को टीका ले चुके यात्रियों को सिंगल टिकट भी देनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश: चुनाव से छह महीने पहले होने वाला मंत्रिमंडल विस्तार चुनावी बिसात पर कितना है कारगर, ऐसे सधेगा जातिगत समीकरण

उत्तर प्रदेश में आखिरकार बहुत लंबे वक्त से प्रतीक्षारत मंत्रिमंडल विस्तार की रूपरेखा तय हो गई। यह मंत्रिमंडल विस्तार रक्षाबंधन के बाद 24 या 27 अगस्त को किए जाने का अनुमान है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि चुनाव से महज कुछ महीने पहले जातिगत समीकरणों को साधते हुए किए जाने वाले इस विस्तार से भारतीय जनता पार्टी को कितना नफा या नुकसान होने वाला है। भाजपा के संभावित मंत्रिमंडल विस्तार में अति पिछड़े, दलित, जाट, गुर्जर और ब्राह्मण चेहरों पर दांव लगाने की तैयारी है। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी के लिए किसान आंदोलन के चलते एक बहुत बड़े वोट बैंक को साधने की जिम्मेदारी और चैलेंज बना हुआ है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि तमाम परिस्थितियों के बाद भी चुनाव से पहले होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार का असर आने वाले चुनाव में जरूर पड़ता है।दो दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह समेत संगठन मंत्री सुनील बंसल की मुलाकात राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से हुई। इस बैठक के दौरान तय हुआ था कि अगले कुछ दिनों में उत्तर प्रदेश का मंत्रिमंडल विस्तार किया जाएगा। अब बड़ा सवाल यही उठता है क्या चुनाव से कुछ महीने पहले होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार से आने वाले चुनाव में सत्ता पक्ष को हकीकत में जातिगत समीकरण साधने का कुछ फायदा होगा या नहीं।उत्तर प्रदेश की राजनीति पर करीब से नजर रखने वाले राजनीतिक विश्लेषक जीडी शुक्ला कहते हैं कि चुनाव से कुछ महीने पहले जातिगत समीकरणों को साधने वाले मंत्रिमंडल विस्तार का आने वाले चुनावों में असर पड़ता है। खासकर जब सहयोगी दलों से या दूसरी पार्टी से आए लोगों को मंत्री बनाया जाता है। जीडी शुक्ला इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण बताते हैं। वह कहते हैं सहयोगी दल अपने क्षेत्रों में और अपने प्रभाव वाली जातियों में इस बात को प्रचारित और प्रसारित करते हैं कि उन्हें मौका चुनाव से कुछ महीने पहले मिला है। चुनाव पश्चात जब सरकार दोबारा उनकी ही बनेगी तो उनको एक लंबे वक्त के लिए मौका मिलेगा। यह सब एक रणनीति के तहत किया जाता है और लोगों को सत्ता पक्ष के करीब लाकर ज्यादा से ज्यादा उनके पक्ष में मतदान कराने का एक तरीका होता है।

गिरफ्तारी की हदें

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर आगाह किया है कि गिरफ्तारी को एक रूटीन कार्रवाई का रूप नहीं देना चाहिए। इस बात का ख्याल रखा जाना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी से उसकी प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान को जबर्दस्त चोट पहुंचती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस किसी को गिरफ्तार कर सकती है, उसके पास इसका कानूनी अधिकार है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि उसे हर आरोपी को गिरफ्तार कर ही लेना है। कानून के तहत एक अधिकार होना और उस अधिकार का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करना, दोनों दो बातें हैं और इनके बीच का अंतर स्पष्ट होना चाहिए। हालांकि इस बारे में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस काफी पहले से मौजूद हैं। लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा का भी तकाजा है कि गिरफ्तारी को नियम न बना दिया जाए, उसे अपवाद के ही रूप में रहने दिया जाए। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट के पास ऐसे मामले बड़ी संख्या में आते रहते हैं, जिनमें आरोपी के जांच में पूरा

सहयोग देने पर भी आरोपपत्र दायर करते समय उसे गिरफ्तार किया जाता है क्योंकि निचली अदालतों का आग्रह होता है कि अगर आरोपी को गिरफ्तार कर उनके सामने पेश नहीं किया जाएगा तो आरोपपत्र रेकॉर्ड पर नहीं लिया जाएगा। हालांकि हाईकोर्ट के भी ऐसे कई फैसले हैं, जिनमें स्पष्ट किया गया है कि इस आधार पर आरोपपत्र स्वीकार करने से इनकार नहीं किया जा सकता कि आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के सामने मौजूदा मामला भी ऐसा ही था। कोर्ट ने इस स्थिति पर अफसोस जरूर जताया, लेकिन फिर भी अपनी तरफ से यह स्पष्ट कर देना जरूरी समझा कि अगर जांच अधिकारी समझता है कि आरोपी सहयोग कर रहा है और उसके फरार होने की कोई आशंका नहीं है तो उसे आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने पहले से स्थापित इस धारणा को दोहराते हुए और मजबूती दे दी कि किसी मामले में गिरफ्तारी की ठोस वजहें होनी चाहिए। या तो अपराध बेहद गंभीर प्रकृति का हो या हिरासत में पूछताछ जरूरी हो जाए या फिर गवाहों को प्रभावित करने या आरोपी के फरार हो जाने की आशंका हो। जाहिर है, ऐसा कुछ न होने पर किसी आरोपी को गिरफ्तार करने की प्रवृत्ति उचित नहीं कही जा सकती। किसी भी वजह से ऐसा संकेत नहीं जाना चाहिए कि जांच एजेंसियों की दिलचस्पी आरोपी को गिरफ्तार करने और न्याय प्रक्रिया के बहाने अधिक से अधिक समय तक जेल में डालने में है। इससे जांच प्रक्रिया ही अपने आप में एक सजा बन जाती है जिसका सबसे ज्यादा नुकसान इंसाफ को होता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट का यह सामयिक दिशानिर्देश केवल पुलिस और निचली अदालतों को ही नहीं बल्कि तमाम जांच एजेंसियों को अपने आचरण की समीक्षा करने की प्रेरणा देगा।

जुल्म की इबारत

किरीट ए. चावड़ा

अफगानिस्तान के जलालाबाद शहर में शांतिपूर्ण विरोध करते लोगों पर तालिबान द्वारा फायरिंग की घटना विचलित करती है। इस घटना में कम से कम तीन लोगों के मारे जाने और करीब एक दर्जन के घायल होने की सूचना है। नागरिकों की ओर से तालिबान के शांतिपूर्ण विरोध की खबरें कुछ अन्य शहरों से भी मिल रही हैं। काबुल में भी कुछ महिलाओं के हाथों में पोस्टर लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का विडियो वायरल हो रहा है। ये तस्वीरें और विडियो बताते हैं कि हिंसा और दहशत का इतिहास रखने वाले तालिबान के खिलाफ वहां आवाजें उठ रही हैं और उससे यह बर्दाश्त नहीं हो रहा। इससे यह भी पता चलता है कि तालिबान ने भले ही देश के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है, लेकिन सभी लोगों ने उसे स्वीकार नहीं किया है। इसकी वजह यह भी हो सकती है कि पिछले 20 वर्षों में अफगानिस्तान में बड़े बदलाव आए थे। समाज में खुलापन आया था। लड़कियों को काम करने और पढ़ने की आजादी मिली थी। परदे में रहने की बंदिशें नहीं थीं। इस बीच, सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं बेहतर हुईं। अफगानिस्तान में 11 फीसदी लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है, जो साल 2000 में शून्य फीसदी था। इन सबके बीच

प्रशासन से लोगों की उम्मीदें भी बढ़ी हैं। वहीं, 1996-2001 के बीच जब तालिबान का देश पर राज था, तब अफगानिस्तान मध्ययुगीन दौर में चला गया था। औरतों पर तमाम बंदिशें थीं। पुरुषों को दाढ़ी रखनी पड़ती थी। अपराधों के लिए बीच सड़क पर सजा दी जाती थी। इन प्रदर्शनों को देखकर लगता है कि लोग उस दौर के जुल्म को भूले नहीं हैं और वे पिछले 20 वर्षों में मिली आजादी भी गंवाने के लिए तैयार नहीं हैं। इन विरोध प्रदर्शनों को जिस तरह से दबाने की कोशिश हुई, उसने नई और सुधरी हुई छवि के तालिबान के दावों पर भी सवालिया निशान लगा दिया। यूं तो राजधानी काबुल पर कब्जे के बाद तालिबान ने देश भर में आम माफी का ऐलान किया। लोगों से बेखटके सामान्य जीवन जीने की अपील की। महिलाओं को शरीयत के मुताबिक सरकार तक में हिस्सेदारी देने जैसी बातें भी कीं। लेकिन जलालाबाद की घटना से लगता है कि तालिबान बदला नहीं है, वह सिर्फ बदलने का दिखावा कर रहा है। वह भी इसलिए कि देश पर शासन करने के लिए उसे लोगों का समर्थन और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वीकृति चाहिए। जलालाबाद और अन्य शहरों में अगर तालिबान ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन होने दिया होता तो शायद उसे उसके बदलने का संकेत माना जाता। वह दुनिया को दिखा सकता था कि तालिबान असहमति का सम्मान करना जानते हैं। मगर निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग की यह घटना बताती है कि उसकी कथनी और करनी में काफी फर्क है। अभी तक के संकेत देखकर यह भी कहना मुश्किल है कि तालिबान बदल गया है।

कश्मीर दूर है, पहले खुद को बचाए पाक

जिगर डी वाढेर

तालिबान के शीर्ष नेताओं मुल्ला बरादर और हक्कानी नेटवर्क के सिराजुद्दीन हक्कानी ने कतर एयरफोर्स के विमान से जैसे ही अफगानिस्तान की धरती पर कदम रखा, साफ हो गया कि इस देश में एक नए इस्लामी अमीरात तालिबानी शासन की शुरुआत होने वाली है। काबुल में तालिबान के डिप्टी अनस हक्कानी ने पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और दूसरे नेताओं से मुलाकात की। उन्हें उनकी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया। तालिबान के इन कदमों को अपने लिए व्यापक सहमति जुटाने के तौर पर देखा जा रहा है। वह इस बार अपनी एक ऐसी छवि दिखाना चाहता है, जो अधिक मानवीय है।

चरमपंथ बढ़ेगा

काबुल पर कब्जे के बाद से ही तालिबान अपनी एक नरम और उदार छवि पेश करने के लिए बेचैन है। ऐसी छवि, जिसके बारे में उसका दावा है कि यह पहले से बिल्कुल अलग है। तालिबान चाहता है कि लोग उस पुराने चेहरे को भूल जाएं, जब सरेआम मौत की सजा दी जाती थी, महिलाओं-लड़कियों के घर से बाहर निकलने पर मनाही थी, बुर्का जैसे शरीर का ही एक अंग बन गया था और लड़कियों को प्राथमिक शिक्षा तक की इजाजत नहीं थी।

हालांकि काबुल के राष्ट्रपति भवन में तालिबान ने जो पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उसमें संकेत दिए गए कि महिलाओं के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाएगा। सारे अधिकार मिलेंगे उन्हें, लेकिन केवल इस्लामी शरिया कानून के अनुसार। कोई भी शरिया के खिलाफ बोल या लिख नहीं सकेगा। तालिबान की नजरों में यह मुद्दा राष्ट्रीय महत्व का है। इन बयानों से तालिबान की चाल साफ होने लगती है। कुल मामला नई बोतल में पुरानी शराब जैसा है। अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा आने वाले वक्त में इस मुल्क को चरमपंथ और आतंकवाद का सबसे बड़ा केंद्र बना देगा। तालिबानी शासन के साथ सुन्नी उग्रवाद को मिलेगा एक नया जीवन, जो इस्लामिक राज्य इराक और आईएसआईएस से भी बदतर होगा।

तालिबान के पास हथियारों की कोई कमी नहीं है। अमेरिकी फौज अफगानिस्तान की धरती छोड़ते समय अपने पीछे हेलिकॉप्टर, विमान और आधुनिक हथियार, गोला-बारूद छोड़ गई है। एक लंबे समय तक तालिबान इनसे अपनी सुरक्षा कर सकता है। आने वाले समय का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि अमेरिका ने अफगान सेना को तीन लाख आधुनिक हथियारों से लैस किया था। अब यह सब तालिबान के हाथों में है।

तालिबान के इस उदय के साथ सवाल उठ रहा है कि क्या कोई असर जम्मू-कश्मीर पर भी

पड़ेगा? या फिर तालिबान का नरम चेहरा वाकई ऐसा ही रहेगा और हमें कोई चिंता करने की जरूरत नहीं? सुन्नी उग्रवाद के उदय का अर्थ निकालें तो मुझे लगता है कि जम्मू-कश्मीर पर पर सीधे तौर पर तुरंत कोई खतरा नहीं है। हां, पाकिस्तान पड़ोस में है और उस पर असर को नकार नहीं सकते। काबुल से जम्मू-कश्मीर का रास्ता पाकिस्तान से होकर ही जाता है। अफगानिस्तान में तालिबान के आतंकी शिविरों में पाकिस्तान से ट्रेनिंग लेने वाले आतंकवादी जम्मू-कश्मीर जाने से पहले रास्ते में अपने ही घर जला सकते हैं। तालिबानी राज का असर यह होगा कि आने वाले बरसों में पाकिस्तान में सुन्नी और वहाबी चरमपंथ में इजाफा होगा। लाहौर में तहरीक-ए-लब्बैक ने महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा को तोड़ दिया। इसी से समझ सकते हैं कि चरमपंथ किस तरह उबल रहा है। एक और घटना है पाकिस्तान की, जो चरमपंथियों के उभार को बताती है। लाहौर के मिनार-ए-पाकिस्तान में टिकटॉक विडियो बनाने वाली लड़की को सरेआम निर्वस्त्र किया गया, 400 लोगों ने रेप करने की कोशिश की उससे। अफगानिस्तान में तालिबान राज का फल पाकिस्तान को मिलने लगा है। हर गुजरते दिन के साथ वहां के समाज पर इसका असर गहरा होता जाएगा।

आतंकियों को सुरक्षित पनाह देने की शर्त पर पाकिस्तान उनके सामने कई मांगें रखता रहा है। क्या इस बार वह तालिबान के समक्ष अपनी शर्तें रख सकेगा? इस जवाब के लिए पीछे के हालात को देखिए। दोहा वार्ता में पाकिस्तान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहीं पर तालिबान और अमेरिका के बीच समझौता हुआ। अमेरिका ने तय किया कि वह इस साल सितंबर तक अपनी फौजें वापस बुला लेगा। हालांकि इस समयसीमा के दौरान तालिबान ने कई समझौते तोड़ दिए। उसके लड़ाके एक के बाद एक राज्यों पर जबरन कब्जा करते हुए राजधानी तक पहुंच गए। काबुल में आत्मघाती हमले जारी रहे। मासूमों को निशाना बनाया जाता रहा।

अगर तालिबान ने दोहा वार्ता की शर्तों के मुताबिक कदम बढ़ाए होते तो पाकिस्तान परिस्थिति का फायदा उठाने की ज़्यादा अच्छी स्थिति में होता। अब अमेरिका भी पहले की तरह उस पर अधिक निर्भर नहीं रहेगा। वैसे पाकिस्तान पर्दे के पीछे से इस तालिबानी शासन में अपना उचित हिस्सा चाहता है। अगर भारत की बात करें तो वह इस क्षेत्र की हकीकत से मुंह नहीं मोड़ सकता। अगर तालिबान के साथ बैकचैनल से बातचीत नहीं चल रही है, तो शुरू करनी होगी। भारत की एक बड़ी आबादी मुस्लिम है और तालिबान इसे नजरअंदाज नहीं करेगा। वह जम्मू-कश्मीर और भारत के दूसरे आंतरिक मामलों में टांग अड़ाने के बजाय भारत से सीधी बातचीत चाहेगा। तालिबान की आधिकारिक नीति है कि जम्मू-कश्मीर एक द्विपक्षीय मसला है। इसी से कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में उसके दृष्टिकोण का पता चल जाता है। यह दृष्टिकोण अब तक भारत के अनुकूल रहा है और लगता नहीं कि अफगानिस्तान में अपने शासन को मजबूत किए बिना तालिबान संघर्ष का कोई नया मोर्चा खोलेगा। हालांकि इन सबके बावजूद भारत को जम्मू-कश्मीर को लेकर सतर्क रहना होगा। हाल-फिलहाल भले नहीं, लेकिन आने वाले समय में आतंकवाद में वृद्धि देखी जा सकती है।

परिष्कृत और सुखी वातावरण-आज की आवश्यकता

भूपेन्द्र पटेल

बहुत प्राचीन समय से हमारा समाज स्वच्छता और परिष्कृत वातावरण का समर्थक और पोषक रहा है। तन की स्वच्छता एवं व्यायाम द्वारा, मन की स्वच्छता और स्वास्थ्य को योग-अभ्यास एव अनुशासन द्वारा, वातावरण की स्वच्छता को हरियाली और नदी- नालों-नलियों की सफाई द्वारा- इस प्रकार, एक परिष्कृत समाज के निर्माण का संकल्प किया गया। हड़प्पा संस्कृति भारतीय स्वच्छ नगर- सभ्यता की एक सुन्दर मिसाल थी। प्रकृति और मनुष्य के बीच संतुलन के लिये भी आवश्यक है कि सफाई तन-मन और जीवन के साथ- साथ वातावरण की भी हो। हरियाली जीवन में, वातावरण में और हर जगह हो। इसका एक कारण यह है कि व्यायाम, योग -ध्यान, पूजा– सब कुछ एक साफ वातावरण में संभव है। किन्तु औद्योगिक क्रिया-कलाप, बढ़ती जनसंख्या और उसकी बढ़ती आवश्यकताओं के कारण क्रिया-कलापों के बढ़ने से वातावरण की स्वच्छता घटी है और जल-प्रदूषण, वायु-प्रदूषण और जमीन पर गन्दगी बढ़ी है। बढती जनसंख्या का एक परिणाम है- अशिक्षा और निर्धनता जिसने झुग्गी- झोंपड़ी और चौराहे- गलियों में गन्दगी का अम्बार लगा दिया है। हवा और जल के प्रदूषण के कारण 'ग्रीन हाउस' गैस- उत्सर्जन बढ़ा है और 'कार्बन फुटप्रिंट' समग्र वातावरण के 60% तक हो गया है। संपूर्ण मनुष्य जाति का 'कार्बन फुटप्रिंट' 1961 से 11 गुना बढ़ गया है। इससे 'ग्लोबल वार्मिंग' और 'क्लाइमेट चेंज' का खतरा बढ़ा है। इससे भविष्य में मानव प्रजाति के अस्तित्व को संकट हो सकता है। यह एक बड़ी चुनौती है।

1995 से ही इस चुनौती का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र-संघ ने 'क्लाइमेट चेंज कॉन्फरेंस' द्वारा प्रदूषण एवं कार्बन फुटप्रिंट कम करने का प्रयास किया है। प्रतिवर्ष यह कॉन्फरेंस आयोजित होता है। 1997 में क्योटो, जापान में कार्बन उत्सर्जन (एमिसन) करने के नियम तय किये गए। क्योटो प्रोटोकोल के मुताबिक जो देश निर्धारित सीमा से कम कार्बन-उत्सर्जन करेंगे उन्हें 'कार्बन क्रेडिट' मिलेगा। इसके बाद से संयुक्त सहमति एवं प्रयास से सफाई, स्वच्छता, कचरे का निस्तारण योजनाएँ और ग्रीन टेक्नोलॉजी को अपनाना सभी व्यक्तियों की जिम्मेदारी बनाई गई है जिसमें सरकार को सक्रिय भूमिका निभानी है। क्योटो प्रोटोकोल को सभी देशों ने स्वीकार किया है और उन्होंने 1990 के कार्बन स्तर को करीब 7% कम करने का लक्ष्य तय किया। कार्बन क्रेडिट के साथ ही कार्बन- ट्रेडिंग की भी व्यवस्था बनाई गई है। 'एमिशन ट्रेडिंग' या 'कैप एन्ड ट्रेड'- सरकार द्वारा निर्धारित बाजार की व्यवस्था है। प्रदूषण कम करने के बाद आर्थिक प्रोत्साहन की धारणा है। अंतर्राष्ट्रीय 'ट्रेडिंग सिस्टम' में जिन देशों ने कार्बन क्रेडिट पाया है वे अन्य देशों से इसका विनिमय कर सकते हैं। 'कार्बन ऑफसेट रिन्यूएबल एनर्जी क्रेडिट', 'वाटर रेस्टोरेशन सर्टिफिकेट'- कुछ ऐसे ही प्रचलित नाम हैं।

'कार्बन क्रेडिट' जहाँ एक सकारात्मक प्रभाव रखता है वहीँ 'कार्बन टैक्स' एक नकारात्मक उपाय है। यूरोप में कई देशों ने यह टैक्स लगा रखा है जिसके द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक कार्बन गैस उत्सर्जन करनेवालों पर यह टैक्स लगाया जाता है। इस प्रणाली को अर्थशास्त्री 'कार्बन प्राइसिंग' के नाम से भी जानते हैं और समर्थन करते हैं।

भारत की वर्तमान स्थिति में प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक है। जहरीली गैसों का उत्सर्जन, तेज शोर-शराबा, दीवारों और सार्वजनिक वाहनों में लिखावट और गंदगी, पानी तथा जमीन पर कचरा और सड़कों पर गन्दगी और टहलते हुए जानवर, जो काट भी सकते हैं। कचरे का डिब्बा होते हुए भी बाहर कचरा फेंकना, इधर- उधर थूकना और पान-तंबाकू के दाग छोड़ना आम दिनचर्या का अंग है। दफ्तरों में फालतू कागज,टूटे-फूटे फर्नीचरों का ढेर और गंदी दीवारें एक सामान्य दृश्य है।

भारत में कचरे के अंबार और लोगों में गंदगी के प्रति उदासीन दृष्टिकोण को देखते हुए कचरा फैलानेवाले व्यक्तियों, दुकानों और अन्य सार्वजानिक स्थानों पर जुरमाना या कार्बन टैक्स या अन्य कोई आर्थिक व्यवस्था की नितान्त आवश्यकता है। सिर्फ नारेबाजी, पोस्टरों और बड़े-बड़े लोगों का झाड़ू सहित फोटो खिचवाने से यह समस्या नहीं सुलझेगी। जब गंदगी फैलाने पर ही जुर्माना लग जाएगा तो लोगों को अपना काम छोड़कर सड़क पर झाड़ू उठाने की नौबत ही नहीं आएगी। आखिर झाड़ू लगाने के लिये इतने सफाई-कर्मियों की भर्ती क्यों हुई है? वे अपने कार्य में मुस्तैद क्यों नहीं है? यदि उनकी संख्या कम है और लोगों की भर्ती क्यों नहीं की गई?

अतः कचरा फैलाने वाले पर जुर्माना लगाना और सफाई-कर्मियों से कार्य अच्छी तरह करवाना आवश्यक है। उन्हें दस्ताने, टोपी, मास्क और एप्रन भी मिलना चाहिये ताकि उन्हें गंदगी, धूप और धूल से सुरक्षा मिले। गंदगी साफ करते हुए कहीं वे स्वयं बीमारी ग्रस्त न हो जायँ। वृक्षारोपण बढ़ाने के साथ-साथ भारत में कचरे पर सख्त जुर्माना, कार्बन- टैक्स लगाना, कचरा-निस्तारण तथा उनका परिष्कार करके 'रि-साइकल' करना, कम लागत से कंपोस्ट और सूखे शौचालय बनाना, दीवारों और वाहनों पर से गंदगी हटाना, बेकार जानवरों को रास्ते से हटाना बहुत आवश्यक है। अच्छी बात है कि कुछ महानगरों में कचरे का परिष्कार और निस्तार तेज गति से हो रहा है।

कलकत्ता, मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरू में यह कार्य बढ़ा है। किन्तु पूरे देश में अभी काफी प्रयास करने कि एवं सख्ती की आवश्यकता है।

कुछ स्वच्छ शहरों और देशों का तुलनात्मक अध्ययन करने के बाद ये मुख्य बातें सामने आईं:

ओसलो (नॉर्वे) शहर के अधिकांश भाग स्वचालित कचरा निराकरण से जुड़े हैं जो 'अंडरग्राउंड इनसिनरेटर' में कचरे को जला देता है। वहाँ स्वच्छता दिवसों का भी आयोजन होता है। सिंगापुर ने कड़े नियमों से स्वच्छता को बनाए रखा है। अल्बर्टा (कनाडा) ।एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) में विशाल क्षेत्रों में हरियाली और पार्क की व्यवस्था है। जापान में लोग स्वच्छता का बहुत ध्यान रखते हैं। वेंडिंग मशीन का इस्तेमाल कर वहाँ खाना- पीना करने के बाद डस्टबिन में कचरा फेकते हैं। जापान न केवल बुलेट ट्रेन के लिये विख्यात है बल्कि अति स्वच्छ वातावरण के लिये भी। सं. रा. अमेरिका में कचरे पर 100 डॉलर से लेकर 1000 डॉलर तक का जुर्माना है। इसके राज्यों में 'बोतल बिल' नामक कानून के अंतर्गत उपभोक्ताओं को बोतल-डब्बे वापस करने पर रिफंड मिलता है।

और कोपेनहेगन (डेनमार्क) में कचरे से कम्पोस्ट बनाना, 'रि-साइकल' करना, गंदगीपरकड़ा जुर्मानाआदिउपायकियेगएहै

नारायण राणे की 'जन आशीर्वाद यात्रा-राणे का उद्धव पर निशाना-बिल्ली की तरह न काटें रास्ता, शिवसेना के 32 साल के पाप का घड़ा भर चुका है और वह जल्द फूटेगा

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे ने गुरुवार को भारी बारिश के बीच मुंबई से 'जन आशीर्वाद यात्रा' का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा, "यह सरकार महाराष्ट्र का किसी भी प्रकार से कोई भी विकास नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अपने नाम के अनुसार इस राज्य को उध्वस्त (बर्बाद) करने निकले हैं। 'जन आशीर्वाद यात्रा' के दौरान उमड़ी भीड़ यह साबित करती है कि महाराष्ट्र की जनता 'महाविकास अघाड़ी' सरकार से उब गई है। राणे ने CM उद्धव द्वारा उनकी यात्रा का विरोध करने पर कहा कि वे बिल्ली की तरह उनकी यात्रा का रास्ता न काटें। साथ ही मुंबई महानगरपालिका चुनावों के मद्देनजर शिवसेना पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके 32 साल के पाप का घड़ा भर गया है और वह जल्द फूटने वाला है।

सेंट्रल में मिनिस्टर का पद संभालने के करीब डेढ़ महीने बाद राणे गुरुवार को मुंबई वापस लौटे हैं। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्होंने अपनी 'जन आशीर्वाद यात्रा' की शुरुआत की है। इस मौके पर राणे ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता राज्य में दोबारा भाजपा की सरकार बने इस ओर आशा भरी नजरों देख रही है। राणे की इस यात्रा पर उद्धव ने साधा निशाना

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राणे की इस यात्रा पर बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक में तीखी टिप्पणी कर कहा था, 'नियमों का उल्लंघन कर राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा निर्माण करने की कोशिश कुछ लोगों के व्यवहार में नजर आ रही है।' CM ने कहा कि महाविकास अघाड़ी सरकार में शामिल पार्टियां कम से कम दो-तीन महीनें तक भीड़-भाड़ वाले आयोजन करने से परहेज करें।

राणे ने कहा-कोरोना प्रोटोकॉल के साथ भीड़ भरपूर होनी चाहिए

इसी का जवाद देते हुए राणे ने कहा, "मैं भीड़ कम करो।' इस विचार से सहमत नहीं हूं। क्योंकि मेरा मानना है कि भीड़ भरपूर होनी चाहिए, परंतु कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए।" उन्होंने अपनी बेबाक शैली में कहा, 'कोरोना से कोई किसी को भी नहीं बचा सकता। रही बात इनसे (शिवसेना) बचाने की तो उसके लिए हम (भाजपा) हैं। महाराष्ट्र को बचाने के लिए भाजपा है। क्योंकि ये लोग महाराष्ट्र को बर्बाद करने पर तुले हैं।

Raj Kundra Case-2020 के एक मामले में राज कुंद्रा को बाम्बे हाइकोर्ट ने दी अंतरिम राहत

मुंबई, अश्लील फिल्में बनाने के ही एक पुराने मामले में कारोबारी राज कुंद्रा को बाम्बे उच्च न्यायालय ने अंतरिम राहत दे दी है। कोर्ट 25 अगस्त तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। जबकिअश्लील फिल्में बनाने के ही एक अन्य मामले में कुंद्रा 19 जुलाई से न्यायिक हिरासत में हैं। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को एक माह पहले 19 जुलाई को अश्लील फिल्में बनाने एवं उन्हें इंटरनेट के विभिन्न माध्यमों पर अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह तभी से जेल में हैं। इससे पहले अक्तूबर 2020 में भी उनके खिलाफ अश्लील फिल्में बनाने के कारोबार से ही जुड़ा एक और मामला मुंबई पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने दर्ज किया था। इस एफआईआर में राज कुंद्रा पर वेब सीरीज के एक हिस्से के रूप में आनलाइन प्लेटफार्म पर अश्लील वीडियो डालने का आरोप है।

छत्रपति शिवाजी की 'गरुड़ उड़ान' को दोहराने निकले उनके सेनापति के वंशज

मुंबई, औरंगजेब की कैद से छत्रपति शिवाजी महाराज के बच निकलने के 355 वर्ष पूरे होने पर महाराष्ट्र के वीर बांकुरों का एक जत्था उसी मार्ग को दोहराने निकल पड़ा है, जिस मार्ग से शिवाजी आगरा से पुणे के राजगढ़ पहुंचे थे। विशेष बात यह भी है कि इस जत्थे की अगुवाई शिवाजी महाराज के थल सेना प्रमुख रहे सरनौबत नरवीर पिला जी गोळे के 14वें वंशज मारुति (आबा) गोळे कर रहे हैं। पेशे से वकील मारुति गोळे के नेतृत्व में 30 लोगों का एक जत्था 17 अगस्त को आगरा किले के निकट स्थापित शिवाजी प्रतिमा को माल्यार्पण कर रवाना हुआ है। यह जत्था 29 अगस्त को पुणे पहुंचेगा। वहां ऐतिहासिक राजगढ़ किले में इस जत्थे के भव्य स्वागत की तैयारी की गई है। दैनिक जागरण से बात करते हुए मारुति गोळे इतिहास की याद दिलाते हुए बताते हैं कि 11 जून, 1665 को महाराष्ट्र के पुरंदर के किले में औरंगजेब के प्रतिनिधि मिर्जा राजा जयसिंह (प्रथम) एवं छत्रपति शिवाजी महाराज के बीच एक संधि हुई थी। जिसके अनुसार मराठों को न सिर्फ अपने कई किले मुगलों को सौंपने पड़े थे, बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज को औरंगजेब के दरबार में जाने पर भी सहमत होना पड़ा था। छत्रपति शिवाजी अपने पुत्र संभाजी के साथ 12 मई, 1666 को औरंगजेब से मिलने उसके आगरा दरबार में पहुंचे थे। वहां उससे कुछ कहासुनी होने के बाद औरंगजेब ने शिवाजी एवं उनके पुत्र संभाजी को बंदी बना लिया था। वह पूरे 99 दिन औरंगजेब की कैद में रहे। फिर 17 अगस्त, 1666 को अपने पुत्र के साथ वहां से भाग निकले।

भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा के खिलाफ 17 नई FIR; अब तक कुल 36 शिकायतें दर्ज

मुंबई, मुंबई पुलिस ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (BJP) के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुंबई के विभिन्न हिस्सों में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान कथित रूप से कोविड -19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के मामले में 17 नई एफआइआर दर्ज की है।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने आज मुंबई में भाजपा की रैली के खिलाफ कोविड -19 मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए 17 नई प्राथमिकी दर्ज की है। शुक्रवार तक मुंबई के विभिन्न थानों में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ 19 प्राथमिकी दर्ज की गईं और नए मामले दर्ज होने के साथ ही दर्ज प्राथमिकियों की कुल संख्या 36 हो गई है।

मुंबई पुलिस ने नई प्राथमिकी मुंबई के मुलुंड, घाटकोपर, विक्रोली, भांडुप, पंत नगर, खार, सांताक्रूज, पवई, एमआईडीसी, साकी नाका, मेघवाड़ी, गोरेगांव, चारकोप, बोरीवली और एमएचबी पुलिस स्टेशनों में दर्ज की है। गौरतलब है कि मुंबई पुलिस की पाबंदियों के बावजूद राणे ने गुरुवार को मुंबई में अपनी जन आशीर्वाद यात्रा शुरू की थी। राज्य में जारी कोरोना महामारी को देखते हुए कई विपक्षी नेताओं ने रैली का विरोध भी किया।

गठबंधन के कारण महाराष्ट्र में नहीं बढ़ सकी भाजपा-देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व अब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस का मानना है कि लंबे समय तक शिवसेना के साथ गठबंधन के कारण महाराष्ट्र में भाजपा अपना विस्तार नहीं कर सकी, जबकि अगले विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के पास अकेले सत्ता में आने का सुनहरा मौका है। फडणवीस गुरुवार को पुणे की शिवसेना नेता आशा बुचके के भाजपा में प्रवेश के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले इसलिए महाराष्ट्र में अपना जनाधार नहीं बढ़ा सकी, क्योंकि यह शिवसेना के साथ गठबंधन में थी। अब भाजपा को छोड़कर राज्य की तीनों प्रमुख पार्टियां सत्ता में हैं। यह भाजपा को राज्यव्यापी विस्तार देने का सुनहरा अवसर है। भाजपा इसका लाभ लेते हुए अगले विधानसभा चुनाव में अकेले सरकार बनाएगी। फडणवीस के अनुसार, सत्ता में शामिल तीनों दल (शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा) घुटन महसूस कर रही हैं। ऐसे में सत्तारूढ़ गठबंधन के एक दल की नेता आशा बुचके का भाजपा में आना स्वागत योग्य है। भाजपा और शिवसेना 1985 के बाद से महाराष्ट्र में गठबंधन करके चुनाव लड़ते रहे हैं। उनके मुताबिक, गठबंधन के कारण महाराष्ट्र की आधे से ज्यादा विधानसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कभी लड़ने का अवसर ही नहीं मिला। इसके कारण इन क्षेत्रों में वह अपना जनाधार भी नहीं खड़ा कर पाई। विधानसभा चुनाव में शिवसेना हमेशा भाजपा से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ती रही है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब भाजपा ने बराबर सीटों पर लड़ने का प्रस्ताव रखा तो यह गठबंधन टूट गया। शिवसेना और भाजपा अलग-अलग चुनाव लड़े। तब भाजपा की सीटें शिवसेना से काफी ज्यादा आई। यह स्थिति देखकर ही शिवसेना ने 2019 में पुनः गठबंधन करना ही उचित समझा। इस बार भी भाजपा की सीटें शिवसेना से लगभग दोगुनी आई; लेकिन तब शिवसेना ने चुनाव बाद भाजपा के साथ गठबंधन तोड़कर कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ सरकार बना ली।

जांच आयोग के सामने पेश नहीं होने पर परमबीर सिंह पर 25000 रुपये का जुर्माना

मुंबई, हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अगुआई वाले जांच आयोग ने मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह पर 25000 रुपये का जुर्माना लगाया है। पूर्व पुलिस आयुक्त आयोग के सामने पेश नहीं हुए। इससे पहले जून में आयोग पूर्व पुलिस आयुक्त पर 5000 रुपये का जुर्माना लगा चुका है। महाराष्ट्र सरकार ने इस साल मार्च में जस्टिस (सेवानिवृत्त) कैलाश उत्तमचंद चांदिवाल की अगुआई वाले एक सदस्यीय आयोग का गठन किया। यह आयोग परमबीर सिंह द्वारा राज्य के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए गठित किया गया। एक सरकारी वकील ने गुरुवार को कहा कि पूर्व मुंबई पुलिस आयुक्त के बुधवार को आयोग के सामने पेश होने में विफल रहने के बाद 25000 रुपये जुर्माना लगाया गया है। पूर्व की सुनवाई के दौरान जांच आयोग ने परमबीर को पेश होने के लिए अंतिम मौका दिया था। मुंबई पुलिस आयुक्त पद से हटाए जाने और मार्च में होम गार्ड में स्थानांतरित किए जाने के बाद परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे गए एक पत्र में दावा किया था कि देशमुख पुलिस अधिकारियों से मुंबई में रेस्तरां और बार मालिकों से पैसे उगाही के लिए दबाव डालते हैं। राकांपा नेता देशमुख ने इस आरोप से इन्कार किया था। इधर, अवैध वसूली मामले में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के खिलाफ ठाणे पुलिस ने गत दिनों लुकआउट नोटिस जारी किया था। ठाणे नगर थाने में परमबीर और 27 अन्य के खिलाफ कारोबारी केतन तन्ना की शिकायत पर मामला दर्ज कराया गया था। किसी व्यक्ति के देश छोड़कर भागने से रोकने के लिए लुकआउट नोटिस जारी किया जाता है। थाने में दर्ज की गई एफआइआर में कई अन्य पुलिसकर्मियों के नाम भी शामिल थे।

पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख मामले में सीबीआई को दस्तावेज न देने पर उच्चन्यायालय ने उठाए सवाल, राज्य सरकार को फटकार

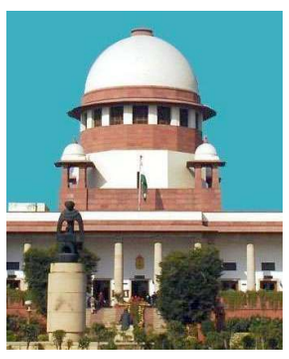

मुंबई! महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के कार्यकाल में ट्रांस्फर-पोस्टिंग में हुए भ्रष्टाचार संबंधी दस्तावेज सीबीआई को उपलब्ध न कराने पर उच्चन्यायालय ने राज्य सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट ने सवाल किया है कि बिना दस्तावेज के सीबीआई अपनी जांच कैसे पूरी कर सकती है ? पूर्व गृहमंत्री के कार्यकाल में ट्रांस्फर-पोस्टिंग में हुए भ्रष्टाचार की जांच से राज्य सरकार शुरू से कतराती रही है। सीबीआई द्वारा बार-बार इससे संबंधित दस्तावेज मांगने पर राज्य सरकार पहले कहती रही कि उच्चन्यायालय ने सीबीआई को ट्रांस्फर-पोस्टिंग मामले की जांच करने के लिए कहा ही नहीं है। पिछले माह 22 जुलाई को उच्चन्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि सीबीआई अनिल देशमुख पर लगे 100 करोड़ रुपयों की वसूली के आरोप के साथ उनके कार्यकाल में ट्रांस्फर पोस्टिंग में हुए भ्रष्टाचार की भी जांच करेगी। अब सरकार सीबीआई को इस मामले से संबंधित दस्तावेज देने से यह कहकर कतरा रही है कि उन दस्तावेजों का सीबीआई की जांच से कोई मतलब ही नहीं है। शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई कर रही खंडपीठ के एक न्यायाधीश एस.एस.शिंदे ने कहा कि पहले तो राज्य सरकार ने कहा था कि वह हर तरह की जांच के लिए तैयार है। अब वह अपने शब्दों से पीछे क्यों हट रही है ? वह ऐसा क्यों कर रही है ? इस पर राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रफीक दादा ने कहा कि उच्चन्यायालय ने ऐसा नहीं कहा था कि राज्य सरकार दस्तावेज देने के लिए बाध्य है। उच्चन्यायालय ने सिर्फ अनिल देशमुख एवं उनके सहयोगियों के बीच की सांठगांठ की जांच के आदेश दिए थे। इस पर कोर्ट ने कहा कि जब तक सीबीआई दस्तावेज देखेगी नहीं, वह कैसे जान पाएगी कि कोई सांठगांठ थी या नहीं ? न्यायमूर्ति शिंदे ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हम समझते हैं कि आप (सरकार) इन दस्तावेजों को देने से कतई इंकार नहीं कर सकते। जब तक अनिल देशमुख गृहमंत्री थे, तब तक के सीबीआई द्वारा मांगे गए सभी दस्तावेज सीबीआई को दिए जाने चाहिए। यही राज्य सरकार एवं सीबीआई, दोनों के लिए सुखद स्थिति होगी। बता दें कि अनिल देशमुख के कार्यकाल में ही राज्य गुप्तचर सेवा की प्रमुख रही आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला ने तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सीताराम कुंटे के निर्देश पर कुछ लोगों के फोन टैप करने के आदेश दिए थे।

शिवसेना ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर फिर साधा निशाना

मुंबई,शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में फिर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को घेरने की कोशिश की गई है। सामना ने विधान परिषद के लिए 12 सदस्यों की नियुक्ति न किए जाने पर राज्यपाल पर अनेक व्यंग्यात्मक टिप्पणियां की हैं। सामना के कार्यकारी संपादक शिवसेना प्रवक्ता व राज्यसभा सदस्य संजय राउत हैं। बुधवार को प्रकाशित सामना के संपादकीय में लिखा गया है कि सरकार द्वारा बारह नामों की सिफारिश किए जाने को अब आठवां महीना लग गया है। राज्यपाल के निर्णय का पालना निश्चित तौर पर कौन से महीने में हिलने वाला है? यह राजभवन की दाई को एक बार स्पष्ट करना चाहिए। सामना ने इस प्रकरण के लिए राज्यपाल कोश्यारी के साथ-साथ भाजपा को भी जिम्मेदार ठहराते हुए लिखा है कि महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी सर्वत्र उपहास का विषय बन गए हैं। पद का इतना अवमूल्यन व पतन राज्यपाल साहब ने कर दिया है। राजभवन की घटनाओं से अब जनता व सरकार को भी कुछ फर्क नहीं पड़ता। राज्यपाल के अधोपतन के लिए जितना वे खुद जिम्मेदार हैं, उससे ज्यादा राज्य का उनका पितृपक्ष भाजपा जिम्मेदार है।

लोकल में बढ़ गए 10 लाख यात्री, अगस्त के बाद यात्रियों की संख्या 50 लाख होने का अनुमान

मुंबई, मंगलवार से मुंबई की लोकल ट्रेनों में वही भीड़ नजर आने लगी, जो फरवरी 2021 के समय होती थी। शनिवार तक मुंबई में रोजाना औसतन 26 लाख यात्री सफर कर रहे थे, सोमवार को 34 लाख से अधिक लोगों ने यात्रा की है। सोमवार को पारसी नववर्ष की छुट्टी होने के बावजूद ये हाल था, रेलवे के मुताबिक मंगलवार को यात्रियों की संख्या 36-38 लाख तक पहुंच सकती है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा दोनों डोज लेने वाले यात्रियों को अनुमति मिलने के बाद मंगलवार से वास्तविक तौर पर यात्री बढ़े हैं। दो दिन छुट्टी होने के कारण लोकल में यात्रियों की भीड़ कम थी, लेकिन मंगलवार को भी उतनी भीड़ नहीं थी, जो दूसरा लॉकडाउन लगने से पहले हुआ करती थी। 11 अगस्त से 16 अगस्त तक 1,75,811 (वैक्सीन ले चुके यात्री) ने मासिक पास निकाले हैं। इसमें से पश्चिम रेलवे 56,363 और मध्य रेलवे 1,19,448 यात्रियों ने सीजन टिकट निकाले हैं। उपनगरीय स्टेशनों में से सबसे ज्यादा सीजन टिकट की बिक्री डोम्बिवली और बोरिवली स्टेशन से हुई है।

सीजन टिकट के लिए भीड़

मंगलवार को हजारों यात्रियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। दोपहर दो बजे तक पश्चिम रेलवे पर 5,541, तो मध्य रेलवे पर 15,963 यात्रियों ने रजिस्ट्रेशन के बाद सीजन टिकट निकाले। इस आंकड़े को जोड़ दिया जाए, तो अब तक 17 अगस्त तक लगभग 2 लाख यात्री सीजन टिकट ले चुके हैं। सीएसएमटी पर सीजन टिकट निकालने वाले प्रमोद पवार ने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है और मंगलवार को पहली बार मासिक सीजन टिकट बुक कराया है।इस तरह बढ़े यात्री

पिछले सप्ताह शनिवार तक 25 से 26 लाख के करीब यात्री चल रहे थे। रेलवे के आंतरिक आंकलन के अनुसार अगस्त के बाद यात्रियों की संख्या 50 लाख तक पहुंच सकती है और तीसरी लहर के मुहाने खड़ी मुंबई के लिए ये चुनौतीपूर्ण होगा। पिछले साल लॉकडाउन के दौरान अतिआवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए रेलवे ने 15 जून 2020 से लोकल ट्रेनें शुरू की थी। शुरुआत में रोजाना केवल 30 हजार लोग यात्रा कर रहे थे। नवंबर 2020 में महिला यात्रियों को समय की शर्तों के साथ यात्रा की अनुमति दी गई थी,

जानिए क्या है रक्षाबंधन का इतिहास और महत्व, यहां जानें इससे जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें

हमारे जीवन में कई रिश्ते होते हैं, लेकिन भाई-बहन का रिश्ता सबसे अनोखा होता है। इसमें रूठना-मनाना, एक-दूसरे का साथ देना, एक-दूसरे को सपोर्ट करना, पापा की डांट हो या मम्मी की मार इनसे एक-दूसरे को बचाना आदि। इन सबकी झलक इस रिश्ते में मिलती है। भाई-बहन के इसी अट्टू प्यार को दर्शाता है राखी का त्योहार। हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन रक्षाबधन का त्योहार मनाया जाता है। बहन इस दिन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और बदले में भाई अपनी बहन की सदैव रक्षा करने का वचन देता है। ये सब हम जानते हैं और इस त्योहार को कुछ इसी तरह हर साल मनाते हैं। लेकिन क्या आपने ये जाना है कि आखिर इस त्योहार का इतिहास क्या कहता है? आखिर राखी का ये त्योहार कितना पुराना है? आखिर इस दिन को मनाने की शुरुआत कब हुई थी? शायद नहीं, तो चलिए हम आपको इस दिन के बारे में कई खास बातें बताते हैं।

काफी पुराना है

इतिहासराखी के इतिहास पर नजर डालते हैं, तो इसकी शुरुआत को लेकर कोई निश्चित इतिहास तो नहीं मिलता है। लेकिन इतना जरूर है कि इसका इतिहास सदियों पुराना है। भविष्य पुराण में राखी के बारे में वर्णन मिलता है।

इसमें बताया गया है कि जब दानवों और देव के बीच युद्ध शुरु हुआ था तब तब देवों पर दानव हावी हो रहे थे।

ऐसे में इंद्र भगवान घबरा गए और भगवान बृहस्पति के पास पहुंचकर सबकुछ बताया, जिसे इंद्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी। इसके बाद उन्होंने रेशम का धागा मंत्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति इंद्र के हाथ पर बांध दिया और ये दिन श्रावण मास की पूर्णिमा का था।

यहां भी है जिक्ररक्षाबंधन के तार

रानी कर्णावती से जुड़े हुए भी नजर आते हैं।

मनोज जोशी

रानी कर्णावती की रक्षा कर, उन्हें अपनी बहन का दर्जा दिया था।

महाभारत में भी है जिक्ररक्षाबंधन के तार महाभारत से भी जुड़ते हुए नजर आते हैं।

दरअसल, जब भगवान कृष्ण ने राजा शिशुपाल का वध किया था, तब इस दौरान उनके बाएं हाथ की उंगली से खून बहने लगा था जिसे देखकर द्रौपदी ने अपनी साड़ी का टुकड़ा चीरकर कृष्ण की उंगली में बांध दिया। इससे भगवान कृष्ण की उंगली से बह रहा खून बंद हो गया। कहा जाता है कि यहीं से कृष्ण ने द्रोपदी को अपनी बहन बना लिया था।

जब मध्यकालीन युग में मुस्लिमों और राजपूतों के बीच संघर्ष चल रहा था। उस वक्त चित्तौड़ के राजा की विधवा रानी कर्णावती ने गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह से अपनी और अपनी प्रजा की सुरक्षा का कोई रास्ता न निकलता देख हुमायूं को राखी भेजी थी। इसके बाद ही हुमायूं ने

बेली फैट बड़ा खतरा-कमर की चर्बी से डायबिटीज, हृदय रोग और कैंसर का खतरा बढ़ता है, जानिए बेली फैट घटाने के 5 आसान और असरदार तरीके

हार्वर्ड मेडिकल हेल्थ के मुताबिक, बेली फैट यानी कमर के आसपास चर्बी जमा होना सेहत के लिए ठीक नहीं है। यह चेतावनी की तरह है। मेडिकल भाषा में इस अनहेल्दी फैट को विसरल फैट कहते हैं। ज्यादा चर्बी से टाइप-2 डायबिटीज़, हृदय रोग, यहां तक कि कैंसर का भी खतरा रहता है।

बेली फैट कुछ उपायों से आसानी से कम किया जा सकता है। जानिए 5 तरीके जो कमर की चर्बी को घटाने में मदद करेंगे...

1) कैलोरी मैनेजमेंट: 500 कैलोरी ज्यादा खर्च करें

वजन घटाने के लिए भूखा रखने की जरूरत नहीं है। बस, जितना खाएं, उससे 500 कैलोरी ज्यादा खर्च करें। इसे हेल्दी कैलोरी डेफिसिट कहते हैं।

2) वॉक का नियम: हफ्ते में 3 दिन 50-70 मिनट की वॉक

इससे बेली फैट काफी कम होता है। हार्वर्ड इंस्टीट्यूट के मुताबिक, इससे न सिर्फ त्वचा के नीचे का फैट बल्कि एब्डॉमिनल कैविटी में छुपा फैट भी घटता होता है।

3) खाने का फॉर्मूला: 30 फीसदी कैलोरी प्रोटीन से लें

मेटाबॉलिज्म में प्रतिदिन 80-100 कैलोरी का इजाफा होता है। सामान्य कसरत करने वालों को 50 ग्राम यानी भोजन के साथ मुट्ठी भर प्रोटीन जरूरी है। दही, दलिया, ओट्स, दालें और ब्रोकली आदि अच्छे स्रोत हैं।

4) पूरी नींद: 7 घंटे की नींद जरूरी

कम नींद लेने या अनिद्रा से ग्रस्त लोगों का वजन बढ़ने की आशंका ज्यादा होती है। नींद न लेने से होने वाली थकान के कारण भूख पर असर पड़ता है

और शरीर में ग्लूकोज का स्तर प्रभावित होता है।

5) व्यायाम सबसे ज़रूरी: 15 मिनट तक 'हिट' एक्सरसाइज

हिट, यानी हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग। स्पोर्ट्स न्यूट्रीशनिस्ट डेविड स्टेस के मुताबिक, कमर के आसपास की चर्बी कम करने में ये कसरत असरदार साबित होती है। यह शरीर की इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं। इसके लिए किसी इक्विपमेंट की जरूरत नहीं होती और अधिक कैलोरी बर्न की जा सकती है। रोजाना 60 मिनट तक हाई इंटेंसिटी वर्कआउट करके फिट बॉडी पा सकते हैं। सबसे जरूरी बात है कि हर एक्सरसाइज को 40 सेकंड तक करना है और 20 सेकंड रेस्ट देकर फिर शुरू करना है।

'हिट' वर्कआउट का चार्ट

बिगनर्स के लिए : वार्मअप विद डायनेमिक स्ट्रेचिंग

3 मिनट कॉर्डियो के लिए: वॉक, जॉग, स्प्रिंट यानी तेज दौड़ना

3 मिनट स्ट्रेंथ के लिए: बॉडी बैलेंस, स्कॉट्स (उठक-बैठक), पुशअप

3 मिनट कोर के लिए: फोरआर्म प्लैंक, शोल्डर प्लैंक और वी प्लैंक

हाउसवाइव्स के लिए

3 मिनट कॉर्डियो के लिए: जंपिंग जैक, हाई नी, फ्लोर स्टेपिंग

3 मिनट स्ट्रेंथ के लिए: फ्लोर क्रंचेस, बाइसिकल क्रंचेस, रिवर्स क्रंचेस

3 मिनट कोर के लिए : फोरआर्म प्लैंक, शोल्डर प्लैंक और वी प्लैंक

सिटिंग जॉब करने वालों के लिए

3 मिनट कॉर्डियो के लिए: सीटेड स्कॉट जंप, प्लैंक जैक, माउंटेन क्लाइंबर और हाई नी

3 मिनट स्ट्रेंथ के लिए: स्टेप अप ऑन स्टेपर, सुपरमैन प्लैंक रो, ट्रक क्रंचेस

3 मिनट कोर के लिए : सुपर मैन प्लैंक और रिवर्स प्लैंक

ज्यादातर खड़े रहकर ड्यूटी देने वालों के लिए

3 मिनट कॉर्डियो के लिए: स्कॉट जंप, स्टेप अप ऑन स्टेपर, हाई नी

3 मिनट स्ट्रेंथ के लिए: बैलेंस ऑन स्टेपर (30-30 सेकंड), डायनमिक लंग्स, वॉल सिट

3 मिनट कोर के लिए : फोरआर्म प्लैंक, शेल्डर प्लैंक और स्विच प्लैंक

संजय शर्मा

कोरोना की तेज, सस्ती और सटीक जांच का दावा•पेन्सिल की ग्रेफाइट वाली नोक से हो सकेगी कोरोना की जांच; दावा- लार के सैम्पल से 7 मिनट में 100% सटीक नतीजे बताती है

अमेरिकी वैज्ञानिकों ने कोरोना की नई जांच विकसित की है। पेंसिल की नोंक में इस्तेमाल होने वाली ग्रेफाइट की मदद से मात्र 6.5 मिनट में कोविड की जांच की जा सकेगी। वैज्ञानिकों का दावा है कि कोरोना की नई जांच सस्ती होने के साथ तेज है और 100 फीसदी तक सटीक नतीजे देती है। कोविड की नई जांच विकसित करने वाली अमेरिका की पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि वर्तमान में मौजूद कोरोना की ज्यादातर जांचें महंगी हैं। इसके लिए ट्रेन्ड प्रोफेशनल की जरूरत पड़ती है, लेकिन ग्रेफाइट से होने वाली जांच से इसकी कीमत 100 रुपए तक घटाई जा सकती है। इस जांच का नाम लीड (लो-कॉस्ट इलेक्ट्रोकेमिकल एडवांस्ड डायग्नोस्टिक) टेस्ट रखा गया है।

ऐसे करते हैं जांच जांच के लिए ग्रेफाइड की छड़ी को इलेक्ट्रोड की तरह इस्तेमाल किया जाता है। इसे सलाइवा या नाक से लिए सैम्पल और ह्यूमन एंजियोटेंसिन कंवर्टिंग एंजाइम-2 के साथ रखा जाता है। ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड को केमिकल सिग्नल से जोड़ा जाता है। जांच के दौरान केमिकल सिग्नल बताते हैं मरीज पॉजिटिव है या निगेटिव। वैज्ञानिकों का कहना है, लार यानी सलाइवा के सैम्पल से जांच करने पर 100 फीसदी तक सटीक जांच के नतीजे मिलते हैं। वहीं, ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड से नाक के सैम्पल की जांच करने पर 88 फीसदी तक सटीक नतीजे सामने आते हैं।

लोअर-मिडिल आय वाले देशों के लिए फायदेमंद पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर सीजर डी ला फ्यूनटे का कहना है इस लीड टेस्ट की किट में इस्तेमाल होने वाला मटीरियल कम कीमत में उपलब्ध है। किट को असेंम्बल करना भी आसान है और इससे कोई भी आम इंसान घर पर ही जांच कर सकता है। कोरोना की यह जांच खासकर लोअर-मिडिल आय वाले देशों के लिए काम की साबित होगी।

दूसरी बीमारियों के लिए भी तैयार होगी ऐसी जांच शोधकर्ता सीजर डी का कहना है, "हम इंडस्ट्री पार्टनर के साथ मिलकर अधिक से अधिक क्लीनिकल ट्रायल करेंगे।

मांओं को अलर्ट करने वाली रिसर्च-डायबिटीज से जूझने वाली गर्भवती महिलाओं के बच्चों में नजर कमजोर होने का खतरा 39% तक ज्यादा; प्रेग्नेंसी के दौरान ब्लड शुगर कंट्रोल करें

डायबिटीज से जूझने वाली मांओं के बच्चों को भविष्य में 39 फीसदी तक नजर कमजोर होने का खतरा अधिक रहता है। ऐसे बच्चों की समय-समय पर आंखों की जांच करानी जरूरी है। यह दावा अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं ने अपनी हालिया रिसर्च में किया है। शोधकर्ताओं का कहना है, गर्भवती महिला में डायबिटीज का असर भविष्य में बच्चे में दिख सकता है।

रिसर्च कितने बच्चों पर हुई, मां में डायबिटीज होने पर बच्चों में खतरा बढ़ता कैसे है, बच्चों में खतरे को कैसे कम करें, जानिए इन सवालों के जवाब...

सबसे पहले जानिए, रिसर्च कैसे हुई

अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने डेनमार्क के 553 बच्चों पर स्टडी की। ये ऐसे बच्चे थे जिनकी मांओं को प्रेग्नेंसी से पहले टाइप-1 या टाइप-2 डायबिटीज थी। या फिर प्रेग्नेंसी के दौरान डायबिटीज हुई, जिसे वैज्ञानिक भाषा में जेस्टेशनल डायबिटीज कहते हैं। यह रिसर्च पूरी होने के बाद इन 553 बच्चों की तुलना उन 20 हजार बच्चों के साथ हुई जिनकी मांओं को प्रेग्नेंसी के दौरान डायबिटीज नहीं थी।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : अगस्त का यह सप्ताह धन प्रदायक रहेगा। अपनी वाणी के बल पर अच्छा धन अर्जित करने में कामयाब होंगे। परिवार के साथ आपका सामंजस्य अच्छा रहेगा। पुराने निवेश से लाभ प्राप्त होगा, लेकिन सलाह है कि नया निवेश करने से बचें। यदि करना ही है तो अनुभवी और बुजुर्ग लोगों की सलाह अवश्य लें।

वृषभ : सप्ताह में अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। गले संबंधी रोग परेशान करेंगे। इस सप्ताह आप बौद्धिक कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। व्यापारियों को कोई नया अनुबंध होगा। जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा। व्यापारियों को कार्य पर विशेष ध्यान देना है। बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए इनोवेटिव तरीके सोचना होंगे।

मिथुन : सप्ताह खर्चीला रहेगा। पारिवारिक जरूरतों पर खर्च अधिक होगा। व्यापारी बंधुओं को अपने कार्य पर फोकस करते हुए आगे बढ़ना है। भावुकता या किसी के बहकावे में आकर कोई काम न करें। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे, लेकिन भाई-बंधुओं के साथ मनमुटाव हो सकता है।

कर्क: पैसों की बचत करने की आदत डालनी होगी, वरना भविष्य में अचानक आई जरूरतों में पस्त हो जाएंगे। व्यापारियों को कार्य विस्तार का प्लान बनाने की जरूरत है और नौकरीपेशा लोगों को आर्थिक लाभ होने की संभावना कम है, लेकिन भविष्य के लिए आपको विस्तृत योजना बनानी चाहिए। विद्यार्थी वर्ग मानसिक रूप सेथोड़ा परेशान रहेंगे।

सिंह : सप्ताह शुभ रहेगा। पारिवारिक मेलजोल होगा। विद्यार्थी वर्ग को फोकस अपने कॅरियर पर रखना होगा। नौकरीपेशा के वर्तमान कार्य में बदलाव आने की पूर्ण संभावना है। बिजनेस प्रभावित होगा। कृषि कार्यो से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह चुनौतीपूर्ण रहेगा। कार्यभार की अधिकता के कारण शारीरिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं।

कन्या : सप्ताह भाग्योदयकारक है। कार्यो में तरक्की मिलने की संभावना है। लेखन, साहित्य और सृजनात्मक कार्य करने वाले जातक अपने कार्य में इनोवेशन करने का प्रयास करें। परिवार में सामंजस्य रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। खर्च में कमी आएगी। इस सप्ताह कोई बहुत पुराना अटका हुआ काम हो जाने से मन में प्रसन्नता रहेगी।

तुला : सप्ताह सावधानी से चलने का है। किसी से विवाद हो सकता है। आपके द्वारा लिए गए तमाम निर्णय उलटे पड़ सकते हैं, इसलिए जो भी करें अच्छी तरह सोच-विचारकर करें। खासकर आर्थिक मामलों में ज्यादा सजग रहने की जरूरत है। व्यापार व्यवसाय में कुछ परेशानी आ सकती है। प्रतिस्पर्धी काम अटका सकते हैं।

वृश्चिक : यदि पार्टनरशिप में आपका कोई बिजनेस चल रहा है तो उसमें आप अधिक सफलता अर्जित करेंगे। प्रेम संबंधों में नकारात्मकता हावी ना होने दें, अपनी वाणी संयमित रखें वरना प्रेम संबंध टूट सकते हैं। सप्ताह में जीवनसाथी के साथ संतुलन बनाने का समय है। वैवाहिक, दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। शारीरिक रूप से अस्वस्थ हो सकते हैं।

धनु : कार्यक्षेत्र में चुनौतियां बढ़ने वाली है। चाहे आप बिजनेस कर रहे हैं या नौकरी, हर तरह का संकट आप पर बना हुआ है। कार्यक्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण मानसिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे। ऐसे में स्वास्थ्य बिगड़ने का खतरा है। हालांकियदि आप अपने भरोसेमंद लोगों को साथ लेकर काम करेंगे तो संकट से उबर जाएंगे।

मकर : इस सप्ताह अपनी बौद्धिक क्षमता और वाणी के दम पर सफलता हासिल करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में आपको नए अवसर प्राप्त होंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए वक्त चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इन्हीं चुनौतियों से निकलने का रास्ता आपके नवाचार में छुपा है। नौकरीपेशा लोगों को भागदौड़ और कार्य की अधिकता रहेगी।

कुंभ : यह सप्ताह सुखों में वृद्धि करने वाला साबित होगा। आपको भौतिक सुख सुविधाएं प्राप्त होंगी, लेकिन भविष्य में इन्हें बरकरार रखने और इनमें वृद्धि करने के लिए फोकस अपने बिजनेस पर करें। माता-पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई मानसिक रोग परेशान कर सकता है।

मीन : यह सप्ताह पारिवारिक मेलजोल वाला रहेगा। भाई-बहन, रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। इस सप्ताह अपने भविष्य से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे और आपके द्वारा लिए गए निर्णय भविष्य में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। बिजनेस में विस्तार फिलहाल नहीं हो पाएगा। नौकरीपेशा को संकटपूर्ण स्थिति में भी कार्य की अधिकता रहेगी।

चुटकुले

पत्नी- एक बात बताओ जी, जब हमारी नयी नयी शादी हुई थी, तो जब मैं खाना बना कर लाती थी तो तुम खुद कम खाते थे, मुझे ज्यादा खिलाते थे।
गोलू – तो ?
पत्नी – तो अब ऐसा क्यों नहीं करते ?
गोलू – क्यूंकि अब तुम अच्छा खाना बनाना सीख गयी हो...

सोनू- यार मोनू तू हमेशा मेरे साथ रहा है जब मेरा एक्सीडेंट हुआ तब भी जब मेरी नौकरी चली गई तब भी जब मेरे पापा ने मुझे घर से लात मारकर निकाल दिया तब भी...तू मेरे साथ था...
मोनू- मैं हमेशा तेरे हर बुरे समय में साथ रहूंगा मेरे दोस्त
सोनू- अरे दूर हट मुझसे लगता है तू ही पनौती है

मौसम का हाल-दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश से जलभराव, उत्तर और मध्य भारत के कई इलाकों में बरस रहे बादल

पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक जमकर बादल बरस रहे हैं। उत्तर भारत में पिछले कुछ दिनों से झमाझम बारिश हो रही है, इसमें बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश समेत कई राज्य शामिल हैं।

इसके अलावा कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र में भी हल्की से मध्यम बारिश हो रही है।मौसम विभाग ने इन राज्यों में 23 अगस्त तक भारी से भारी बारिश का अनुमान जताया है। देश की राजधानी दिल्ली में शुक्रवार शाम से ही मौसम का मिजाज बदल रहा था कल शाम को हुई हल्की बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया था, लेकिन आज सुबह हुई तेज बारिश ने दिल्ली का तापमान कम कर दिया है।

दिल्ली के लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। आज सुबह से ही दिल्ली और एनसीआर में बारिश हो रही है। सुबह 5 बजे से यहां गरज के साथ बादल बरस रहे हैं। मौसम विभाग ने दिल्ली में बारिश का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है।भारी बारिश से बढ़ी मुसीबतदिल्ली में कुछ घंटों की बारिश ने बीते करीब 12 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

2009 के बाद यह पहली बार अगस्त महीने में एक दिन में इतनी बारिश हुई है। पिछले दो घंटे में तीन मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। हालांकि, बारिश से जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है, वहीं, राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है। दिल्ली में भारी बारिश से सड़कों पर जलभराव के कारण गाड़ियों की रफ्तार सुस्त पड़ी है। दिल्ली के आईटीओ इलाके में सड़क पर पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ है।

अफगानिस्तान-वायुसेना के सी-130जे विमान ने 85 से ज्यादा भारतीयों के साथ भरी उड़ान, 250 नागरिकों को लाने के लिए सी-17 भी तैयार

सूत्रों ने कहा कि भारत अमेरिकी सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि भारतीय वायुसेना के एयरक्राफ्ट को काबुल तक पहुंचाया जा सके। माना जा रहा है कि फिलहाल अफगानिस्तान में सैकड़ों भारतीय फंसे हुए हैं, जिन्हें वहां से बाहर निकाला जा रहा है।

भारतीय वायुसेना के एक सी-130जे परिवहन विमान ने शनिवार को 85 भारतीयों के साथ काबुल से उड़ान भरी। यह विमान ताजिकिस्तान में रिफ्यूलिंग के लिए रुका, जिसके बाद यह अगले कुछ घंटों में भारत पहुंचेगा। इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय के अफसर काबुल से देश के नागरिकों को निकालने की कोशिश में जुटे हैं। इस बीच वायुसेना का एक सी-17 परिवहन एयरक्राफ्ट काबुल के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार है। सूत्रों के मुताबिक, इसके जरिए तालिबान के कब्जे के बाद जंग के हालात में उलझे अफगानिस्तान में फंसे भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जैसे ही पर्याप्त भारतीय नागरिक अफगान राजधानी के हवाई अड्डे पहुंचेंगे, वायुसेना का विमान काबुल रवाना हो जाएगा।सूत्रों ने कहा कि भारत अमेरिकी सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि भारतीय वायुसेना केपरिवहन एयरक्राफ्ट को काबुल तक पहुंचाया जा सके। सरकार को उम्मीद है कि इस सी-17 में 250 भारतीयों को निकाला जा सकता है। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उनमें से कितने हवाईअड्डे तक पहुंचने में सक्षम हैं, क्योंकि काबुल पर तालिबान का कब्जा है और हर चौकियों और चेकपॉइंट्स पर भी उसके लड़ाके नजर बनाए हुए हैं।400 से ज्यादा भारतीय फंसेरिपोर्ट्स के मुताबिक, काबुल के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट की उड़ान मुश्किल साबित हो रही है, इसलिए आईएएफ को स्टैंडबाय पर रखा गया है। माना जा रहा है कि फिलहाल अफगानिस्तान में 400 से ज्यादा भारतीय फंसे हुए हैं, जिन्हें वहां से बाहरि नकालने की जरूरत है। हालांकि, सटीक आंकड़ा फिलहाल साफ नहीं हो पाया है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय अफगान नागरिकों के वीजा आवेदनों का भी आकलन कर रहा है।दो सी-17 एयरक्राफ्ट से लोगों को निकालाइससे पहले वायुसेना के दो सी-17 विमानों ने 15 अगस्त को भारतीय दूतावास के कर्मचारियों को निकालने के लिए काबुल से उड़ान भरी थी। इसमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान भी शामिल थे, जिन्हें कर्मचारियों की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया था। काबुल हवाई अड्डे पर अराजकता को देखते हुए विमान ने बहुत ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उड़ान भरी थी। यहां हजारों हताश अफगानी नागरिक देश से बाहर उड़ान भरने की उम्मीद में पहुंचे थे।भारतीय मिशन के लोगों के एक और समूह को वायुसेनाके दूसरे सी-17 में सवार किया गया था। इसमें राजदूत रुद्रेंद्र टंडन सहित 120 से अधिक लोग शामिल थे। उन्हें मंगलवार सुबह सुरक्षित रूप से अफगान हवाई क्षेत्र से निकला गया।

गौतम अडाणी को झटका-सेबी ने लगाई अडाणी विल्मर के IPO पर रोक, जानिए क्या है वजह

कंपनियां और खुदरा निवेशक प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार को लेकर रुचि दिखा रहे हैं। कंपनियां आईपीओ लाने के लिए कतार में खड़ी हैं। इस बीच बाजार नियामक सेबी ने अरबपति गौतम अडाणी को झटका दिया है। सेबी ने गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले अडाणी समूह की कंपनी, अडाणी विल्मर के आईपीओ पर रोक लगा दी है।

लोकप्रिय फॉच्यून ब्रांड से खाद्य तेल और फूड आइटम बनाने वाली कंपनी अडाणी विल्मर 4,500 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने वाली थी, लेकिन अडाणी एंटरप्राइजेज के खिलाफ चल रही जांच के चलते इस पर रोक लग गई है।

इस वजह से आईपीओ पर लगी रोकमामले से वाकिफ एक शख्स ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर बताया कि सेबी ने अडाणी एंटरप्राइजेज के

खिलाफ चल रही जांच के चलते अडाणी विल्मर का आईपीओ रोक दिया है.ये है सेबी की पॉलिसीसेबी की पॉलिसी के अनुसार, यदि किसी आईपीओ के लिए आवेदन करने वाली कंपनी के किसी डिपार्टमेंट में जांच चल रही हो तो उसके प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम को 90 दिनों तक मंजूरी नहीं दी जा सकती है। इसके बाद भी आईपीओ को 45 दिनों के लिए टाला जा सकता है।

1999 में हुई थी अडाणी विल्मर की स्थापना अडाणी विल्मर की स्थापना वर्ष 1999 में हुई थी। यह अडाणी समूह और सिंगापुर की कंपनी विल्मर का ज्वाइंट वेंचर है।

कंपनी खाद्य तेल के अलावा बासमती चावल, आटा, मैदा, सूजी, रवा, दालें और बेसन जैसे सेगमेंट्स में कारोबार करती है।

अगर कंपनी की आईपीओ की योजना सफल हो जाती है, तो यह बाजार में सूचीबद्ध होने वाली अडाणी समूह की सातवीं कंपनी होगी।

अडाणी ग्रुप की सूचीबद्ध कंपनियों में अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडाणी ट्रांसमिशन, अडाणी पावर, अडाणी टोटल गैस और अडाणी ग्रीन एनर्जी शामिल हैं।वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने दी थी जांच की जानकारीइससे पहले वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने सदन में अडाणी समूह के बारे में बड़ी बात कहीथी।

चौधरी ने कहा कि डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड

(सेबी) अडाणी समूह की कुछ कंपनियों की जांच कर रहे हैं। यह जांच सेबी के नियमन संबंधी है। ईडी की तरफ से किसी तरह की जांच नहीं की जा रही है।

उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की होल्डिंग अडाणी ग्रुप के शेयरों में डे-टू-डे ट्रेडिंग के आधार पर है।

सुप्रीम कोर्ट के सामने आग लगाने वाले युवक ने तोड़ा दम, जिंदगी-मौत से जूझ रही युवती

देश की राजधानी दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के सामने आग लगाने वाले युवक की आरएमएल अस्पताल में मौत हो गई है। जबकि युवती वेंटिलेटर पर है, उसकी हालत काफी नाजुक है। गौरतलब है कि यूपी के घोसी से बसपा सांसद अतुल राय के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने वाली युवती ने अपने साथी युवक के साथ सोमवार दोपहर सुप्रीम कोर्ट के बाहर आत्मदाह की कोशिश की थी। सुरक्षाकर्मियों और अन्य लोगों ने किसी तरह आग बुझाकर दोनों को आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी।सांसद के खिलाफ दर्ज मामले की सुनवाई नहीं होने से दोनों आहत थे। पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय पीड़िता यूपी के बलिया और युवक गाजीपुर का रहने वाला था। दोनों सोमवार दोपहर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और गेट नंबर-डी से अंदर घुसने की कोशिश की थी। उचित आईडी नहीं होने के कारण सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया था। करीब 12.20 बजे दोनों ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली थी। इससे वहां अफरा तफरी मच गई थी। पुलिस के अनुसार, युवती 85 फीसदी और युवक 65 फीसदी जला था। पुलिस को मौके से एक बोतल मिली थी। माना जा रहा है कि इसमें वे ज्वलनशील पदार्थ लेकर आए थे। पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक टीम को भी बुलाया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अस्पताल ले जाते हुए युवती ने बयान दिया कि उसने बसपा सांसद के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। यह मामला वाराणसी में चल रहा है, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। इसलिए वे सुप्रीम कोर्ट आए थे। युवक इस मामले में गवाह है और युवती बयान दिलवाने के लिए उसे साथ लेकर आई थी।शुक्रवार को पीड़ित युवक-युवती के बयान लेने दिल्ली पहुंची थी यूपी पुलिस इससे पहले, शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के बाहर युवक-युवती द्वारा आत्मदाह की कोशिश करने के मामले में यूपी पुलिस की एक 12 सदस्य टीम डीजीपी केयर सिंह की देखरेख में दिल्ली पहुंची थी। यूपी पुलिस युवक-युवती के बयान लेना चहाती थी। लेकिन दोनों की हालत गंभीर बनी हुई थी। ऐसे में यूपी पुलिस बयान नहीं ले सकी।

दादागीरी-गलत दिशा में न आने की नसीहत पर भड़का दिल्ली पुलिस का सिपाही, दमकलकर्मी को डंडे से पीटा

बाहरी-उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली थाने के एक सिपाही ने दमकलकर्मी पर हमला कर दिया। सिपाही के खिलाफ उसके ही थाने में सरकारी काम में बाधा, ड्यूटी के दौरान हमला करने समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

बाहरी-उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली थाने के एक सिपाही ने पूरी दिल्ली पुलिस को शर्मसार कर दिया। आरोप है कि सिपाही जितेंद्र ने एक दमकलकर्मी के साथ न सिर्फ बदसलूकी की बल्कि उस पर डंडे से हमला भी कर लिया। वारदात के समय जितेंद्र अपनी कार रांग साइड लेकर जा रहा था। उधर दमकल की गाड़ियां आग की एक कॉल पर निकली थीं।

दमकल कर्मियों ने जब सिपाही को रांग साइड न आने की नसीहत दी तो वह भड़क गया और दमकलकर्मी पर हमला कर दिया। पब्लिक में किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वहीं दमकलकर्मी के अधिकारी ने लिखित में आरोपी की शिकायत उसके ही थाने में की। फौरन सरकारी काम में बाधा, ड्यूटी के दौरान हमला करने समेत कई अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर सिपाही जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। फिलहाल जितेंद्र को सस्पेंड कर दिया गया। हालांकि वारदात के समय वह छुट्टी पर था और पुलिस की वर्दी में भी नहीं था।पुलिस के मुताबिक दमकल स्टेशन पर तैनात लीडिंग फायरमैन राज कूपर ने अपनी शिकायत में बताया कि वह रोहिणी सेक्टर-16 के दमकल केंद्र में तैनात है। बृहस्पतिवार शाम को आग की एक कॉल मिलने के बाद वह अपने स्टाफ के साथ कॉल पर जा रहे थे। कॉल बादली की गली नंबर-8, शमशान घाट के पास आई थी। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान गाड़ियां पानी खत्म होने के बाद पानी लेने वापस जा रही थी। इस बीच बादली मेन रोड पर रांग साइड एक सेंट्रो कार आ रही थी। उसकी वजह से जाम भी लग रहा था। दमकल की गाड़ी पर पर तैनात कर्मी नरेंद्र ने जितेंद्र को रांग साइड आने पर नसीहत कर दी। नरेंद्र ने आग के बारे में भी बताया। आरोप है कि पहले तो आरोपी कार से ही गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद वह कार में रखा एक डंडा लेकर उतरा और उसने नरेंद्र के साथ धक्का-मुक्की कर हमलाकर दिया। बाकी लोगों ने बीच-बचाव कराया।इसी दौरान पूरी वारदात का करीब 35 सेकंड का किसी ने मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सूचना मिली तो उन्होंने फौरन मामला दर्ज करने का आदेश दिया। आरोपी जितेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे सस्पेंड कर गिरफ्तार कर दिया गया। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त ने इसकी पुष्टि कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच भी जारी है।

एनटीए ने जारी की आवंटित परीक्षा केंद्रों की सूची

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर नीट 2021 के लिए परीक्षा केंद्र का विवरण जारी कर दिया है। जो अभ्यर्थी परीक्षा शहर की सूची देखना चाहते हैं या डाउनलोड करना चाहते हैं, वे इसे एनटीए नीट की आधिकारिक साइट neet.nta.nic.in पर जाकर ऐसा कर सकते हैं।202 शहरों में हो रही है परीक्षाएनटीए द्वारा जारी आधिकारिक नोटिस के अनुसार, नीट यूजी परीक्षा 2021 भारत और विदेशों के 202 शहरों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा तीन घंटे की अवधि के लिए पेन और पेपर मोड में आयोजित की जाएगी। अब तक, एनटीए ने उस शहर के आवंटन के बारे में विस्तृत जानकारी जारी की है जहां नीट यूजी 2021 परीक्षा होगी।नीट यूजी 2021: परीक्षा केंद्र आवंटन की जांच कैसे करेंआधिकारिक वेबसाइट neet.nta.nic.in पर जाएं।स्क्रीन पर सेंटर सिटी के आवंटन की एडवांस इंफॉर्मेशन देखने की लिंक मिलेगी।इस लिंक पर क्लिक करने पर स्क्रीन पर एक नई विंडो दिखाई देगी।आवंटित परीक्षा केंद्र देखने के लिए अभ्यर्थियों को अपने आवेदन संख्या और जन्म तिथि के साथ लॉग इन करना होगा।

यूपी: पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर हाउस अरेस्ट, गोरखपुर जाते समय पुलिस ने रेल विहार कॉलोनी में रोका

पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को शनिवार सुबह गोमतीनगर पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। अमिताभ ठाकुर चुनाव के लिए जनसंपर्क करने गोरखपुर जा रहे थे। एसीपी गोमतीनगर श्वेता श्रीवास्तव का कहना है कि दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के बाहर आत्मदाह करने वाली रेप पीड़िता और उसके साथी ने अमिताभ ठाकुर पर गंभीर आरोप लगाए थे। कहा था कि वह रेप के आरोपी बसपा सांसद अतुल राय की मदद कर रहे हैं। रेप पीड़िता और आरोपी बसपा सांसद अतुल राय भी गोरखपुर के नजदीक के ही रहने वाले हैं, इस वजह से अमिताभ ठाकुर को गोरखपुर जाने से रोका गया है उन्हे गिरफ्तार नहीं किया गया है।दरअसल पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने कुछ दिनों पहले एलान किया था कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए शनिवार को चुनावी जनसंपर्क के लिए गोरखपुर जाने की जानकारी दी थी। शनिवार सुबह अमिताभ ठाकुर अपने घर से निकलकर पास की रेल विहार कॉलोनी में अपने एक मित्र के घर गए थे।

पंजाब-भारत-पाक सीमा पर सुरक्षाबलों ने बरामद की 40 किलो हेरोइन, फायरिंग के बाद फरार हो गए थे पाक तस्कर

भारत-पाक सीमा पर बार्डर आब्जर्विंग पोस्ट पंज गराइयां इलाका में बार्डर सिक्योरिटी फोर्स और पंजाब पुलिस ने संयुक्त अभियान में शनिवार तड़के 40 किलो हेरोइन बरामद की है। पाक तस्करों ने एक प्लास्टिक की पाइप के जरिए हेरोइन की उक्त खेप इधर भेजी थी।बीएसएफ ने शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि सीमा पर हलचल देखी तो फायर किए, जिसके बाद पाकिस्तानी तस्कर फरार हो गए। बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने शनिवार तड़के बीओपी पंज गराइयां इलाका में तलाशी अभियान के दौरान उक्त बरामदगी हुई। पुलिस ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल ने ग्रामीण पंजाब पुलिस के साथ अमृतसर के पंजग्रेयां इलाके से 40 किलो से ज्यादा हेरोइन, 190 ग्राम अफीम, दो प्लास्टिक पाइप बरामद किए हैं। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को हुई थी दो आतंकियों की गिरफ्तारीशुक्रवार को कपूरथला पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के दो आतंकियों को गिरफ्तार कर पिस्तौल और गोला-बारूद के साथ-साथ भारी मात्रा में ग्रेनेड और टिफिन बम बरामद किया था। यह सारी खेप भी पाकिस्तान से आई थी। एजेंसियां इस जांच में जुट गई हैं कि यह खेप यहां तक कैसे पहुंची।

SPORTS खेल जगत

खौफ-श्रीलंकाई दिग्गज मुरलीधरन को सचिन नहीं इस खिलाड़ी से लगता था डर, खुद किया नाम का खुलासा

दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने कहा कि उन्हें सचिन तेंदुलकर को गेंदबाजी करने में डर नहीं लगता था क्योंकि वह उन्हें वीरेंद्र सहवाग या ब्रायन लारा जैसा नुकसान नहीं पहुंचाते थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले मुरलीधरन ने कहा कि वर्तमान बल्लेबाजों में भारत के विराट कोहली और पाकिस्तान के बाबर आजम उनका बेहतर सामना कर सकते थे। मुरलीधरन ने आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत में कहा, 'सचिन के लिए गेंदबाजी करने में डर नहीं लगता था क्योंकि वह आपको बहुत नुकसान नहीं पहुंचाते थे। वह सहवाग के विपरीत थे जो आपको आहत कर सकता है। वह (सचिन) अपना विकेट बचाए रखते थे। वह गेंद को अच्छी तरह से समझते थे और वह तकनीक जानते थे।'टेस्ट क्रिकेट में 800 विकेट लेने वाले गेंदबाज मुरलीधरन ने कहा, 'अपने कॅरिअर के दौरान मुझे लगा कि ऑफ स्पिन सचिन की मामूली कमजोरी है। लेग स्पिन पर वह करारे शॉट जमाते थे लेकिन ऑफ स्पिन खेलने में उन्हें थोड़ी परेशानी होती थी क्योंकि मैंने उन्हें कई बार आउट किया। इसके अलावा कई ऑफ स्पिनरों ने उन्हें कई बार आउट किया। मैंने इसे देखा है।' उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता। मैंने कभी उनसे इस बारे में बात नहीं की कि आप ऑफ स्पिन खेलने में सहज महसूस क्यों नहीं करते। मुझे लगता कि उनकी थोड़ी कमजोरी है और इसलिए अन्य खिलाड़ियों की तुलना में मैं थोड़ा फायदे में रहा। सचिन को हालांकि आउट करना आसान नहीं था।'मुरलीधरन ने वनडे में भी 530 विकेट लिए। उन्होंने अपने कॅरिअर में तेंदुलकर को 13 बार आउट किया। उन्होंने सहवाग और लारा की भी प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने अपने कॅरिअर में जिन बल्लेबाजों के लिए गेंदबाजी की उनमें ये दोनों सबसे खतरनाक थे।मुरलीधरन ने कहा, 'सहवाग बेहद खतरनाक थे। उनके लिए हम सीमा रेखा के पास क्षेत्ररक्षक लगाकर रखते थे क्योंकि हम जानते थे कि वह लंबे शॉट खेलने के लिए मौका देखेंगे।

वह जानते थे कि जब उनका दिन होगा तो वह किसी पर भी आक्रमण कर सकते हैं। फिर हम रक्षात्मक क्षेत्ररक्षण लगाकर क्या करते।'वर्तमान समय के खिलाड़ियों के बारे में उन्होंने कहा, 'कोहली स्पिन के अच्छे खिलाड़ी हैं विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में। बाबर आजम भी अच्छे बल्लेबाज लगते हैं।

अंतरराष्ट्रीय डेब्यू में हैट्रिक लेने वाला यह कंगारू गेंदबाज मचाएगा धमाल, इस टीम के साथ हुआ करार

अंतरराष्ट्रीय डेब्यू में हैट्रिक लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस ने आईपीएल के दूसरे चरण के लिए एक टीम के साथ करार किया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, एलिस आईपीएल के दूसरे चरण के लिए केएल राहुल की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स के साथ जुड़े हैं। रिपोर्ट में पंजाब किंग्स के अधिकारी सतीश मेनन के हवाले से बताया गया है, 'हमें झाय और राइली की फिटनेस के बारे में कल तक पता नहीं था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद ही पता चला कि वे आईपीएल का हिस्सा नहीं बन सकेंगे। हमने एलिस को रिप्लेसमेंट के तौर पर साइन किया है। हम दूसरे रिप्लेसमेंट का एलान भी एक-दो दिन में करेंगे। हम कुछ

खिलाड़ियों के साथ बात कर रहे हैं।

'बता दें कि एलिस जनवरी में आईपीएल खिलाड़ियों की नीलामी में नहीं बिक सके थे। आईपीएल का उनका अनुबंध क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मंजूरी पर निर्भर करता है। हालाकं, स्वीकृति मिलने की पूरी संभावना है। गौरतलब है कि एलिस को टी-20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया के तीन रिजर्व खिलाड़ियों में चुना गया है। बांग्लादेश के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू में एलिस ने हैट्रिक ली थी। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू में हैट्रिक लेने वाले पहले क्रिकेटर भी बने थे। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हैट्रिक लेने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बने, उनसे पहले ब्रेट ली और एशटन एगर ऐसा कर चुके हैं।

टोक्यो में तिरंगा फहराने को बेताब भारतीय एथलीट, किसी ने पैर गंवाया तो किसी ने लकवे को दी मात

टोक्यो पैरालंपिक में चुनौती पेश करने के लिए भारतीय खिलाड़ी पहुंच चुके हैं। इस बार रिकॉर्ड 54 खिलाड़ी नौ खेलों में पदकों के लिए दावा पेश करेंगे। पहली बार दो महिला निशानेबाज भी निशाना साधेंगी। वहीं ताइक्वांडो और बैडमिंटन को पहली बार पैरालंपिक खेलों में शामिल किया गया है।

भारतीय खिलाड़ियों से रियो के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने की उम्मीद है। पांच साल पहले रियो में हुए खेलों में भारत ने दो स्वर्ण सहित कुल चार पदक जीते थे जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।सोमन ने पैर गंवाया पर हौसला नहीं सेना में हवलदार शिलांग के सोमन राणा पहली बार पैरालंपिक में चुनौती पेश करेंगे। वह शॉटपुट की एफ 57 स्पर्धा में पदक के लिए दावा पेश करेंगे।

सेना में भर्ती होने के बाद से ही खेलों को अपना कॅरिअर बनाने वाले सोमन अच्छे मुक्केबाज थे। करीब 14 साल पहले (2006) जम्मू-कश्मीर में एक माइन विस्फोट में उन्होंने दांया पैर गंवा दिया था। इसके बाद उन्होंने खेल से दूरी बना ली। पर कर्नल गौरव दत्त से मुलाकात के बाद उन्होंने अपना फैसला बदला और फिर से मैदान में वापसी की। पर इस बार हाथों में ग्लव्स की जगह शॉटपुट था।

इसके अलावा वह अच्छे जेवलिन थ्रोअर भी हैं। उन्होंने कड़ी मेहनत से साल के शुरुआत ट्यूनिस विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्रि में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। दुनिया के नंबर दो शॉटपुटर सोमन ने जून में दिल्ली में हुए ट्रायल में टोक्यो का टिकट कटाया।

वह कहते हैं कि पिछले दो साल काफी कठिन रहे। पर मैंने अपनी तैयारी नहीं छोड़ी। टोक्यो में पदक जीतकर अपने पहले ही खेलों को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं

छोड़ूगा।दस साल विस्तर पर रहे विनोदबीएसएफ में रहे रोहतक के विनोद कुमार (डिस्कस थ्रो एफ-56) पैर में गंभीर चोट के चलते करीब दस साल तक विस्तर पर रहे। वर्ष 2002 में लेह में ट्रेनिंग के दौरान उनके पैर में चोट लगी थी। इस दौरान उन्होंने अपने माता-पिता को भी खो दिया। उन्होंने चार साल पहले ही पैरा एथलीट दीपक मलिक से प्रेरित होकर डिस्कस थ्रो की प्रैक्टिस शुरू की थी। दिन में वह दुकान संभालते और सुबह-शाम अभ्यास करते थे। इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी विनोद ने इसी दुबई में हुई फाजा पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

देश परदेश

तालिबान का कहर-संकटग्रस्त अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था रसातल में पहुंचने का अंदेशा

वर्षों लंबे संघर्ष, अस्थिरता और भ्रष्टाचार के कारण पहले से ही बेहाल अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था तालिबान के कब्जे के बाद रसातल में जाने की आशंका प्रबल है। कट्टरपंथी हाथों में नियंत्रण होने से देश में कारोबारों का टिकना और बढ़ना बहुत मुश्किल हो गया है। जानकारों को अंदेशा है कि इस वजह से अधिकतर आबादी गुरबत में और धंस जाएगी।जीडीपी की हालतवर्ष 2020 में महामारी के चलते देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में दो फीसदी गिरावट के बाद फिर से सुधार देखा जा रहा था। इस साल कारोबारी सुधार और माल की आवाजाही बढ़ने से जीडीपी 2.7 फीसदी बढ़ी।जून में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमान के मुताबिक, यह पिछले कुछ वर्षों में औसतन 2.5 फीसदी वृद्धि की दिशा में बढ़ रही थी। लेकिन मौजूदा संकट ने आर्थिक संभावनाओं में उथल-पुथल ला दी है।खेती प्रमुख जरिया, अफीम का सबसे बड़ा केंद्रअफगानिस्तान में कृषि कमाई का प्रमुख जरिया है और देश का ज्यादातर निर्यात भी इसी से होता है। देश से पिछले साल 78 करोड़ डॉलर का निर्यात हुआ था, जिसमें 2019 के मुकाबले 10 फीसदी की कमी दर्ज की गई।सूखे मेवों और औषधियों का अधिकांश निर्यात भारत और पाकिस्तान को होता है। लेकिन तेल, खाद्य पदार्थ और मशीनों के आयात से अफगानिस्तान का व्यापार घाटा भी बढ़ा है। अफीम और हेरोइन कारोबार में अफगानिस्तान का बड़ा नाम है, जिससे काफी गरीब किसानों का घर चलता है। तालिबान भी इन पर कर वसूली और तस्करी करके बड़ी कमाई करता है।कर्ज कम, पर उतना भी चुका पाना कठिनकहने को तो अफगानिस्तान पर जीडीपी की तुलना में कर्ज दुनिया में सबसे कम कर्ज है, लेकिन उसे न चुका पाने का जोखिम भी उतना ही ज्यादा है। कोरोना से उबरने में मदद के लिए आईएमएफ ने विस्तारित ऋण सुविधा के तहत 37 करोड़ डॉलर मंजूर किए थे।साथ ही अंतरराष्ट्रीय मदद के रूप में 12 अरब डॉलर भी मिलने थे। लेकिन आईएमएफ ने कहा कि तालिबान को मान्यता मिलने की अनिश्चितताओं के कारण अफगानिस्तान की उसके संसाधनों तक पहुंच नहीं होगी।देश का कर्ज 2021 में 1.7 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है, जो जीडीपी का 8.6 फीसदी है। अब तालिबान के सत्ता में आने से अफगान ऋण बाजार और घरेलू बचत को दोहन करने की योजना विफल होने की संभावना है।मुद्रा गिरी, भोजन महंगा होगाइस हफ्ते अफगानी (मुद्रा) में छह फीसदी गिरावट आई है। वहीं, अफगानिस्तान का मुद्रा भंडार अमेरिका और आईएमएफ के पास है, जो तालिबान की पहुंच से बाहर है। बीते साल अप्रैल में खाद्य कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बाद इसमें कमी आई थी। लेकिन कमजोर उत्पादन और मांग में उछाल से कीमतें फिर आसमान छू सकती हैं।

भारत के खिलाफ साजिश-अफगानिस्तान में भारत के प्रभाव को कम करना चाहेगा पाक, तालिबान से बढ़ा रहा दोस्ती का हाथ

अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद पाकिस्तान ने भी अपनी सैन्य रणनीति को बदलना शुरू कर दिया है। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर अमेरिकी सरकार ने बताया कि पाकिस्तान अब अफगानिस्तान में भारत के प्रभाव को कम करने के लिए काम करेगा। इसके साथ ही उसका मकसद सीमा पर छिड़े अफगानी गृह युद्ध को खत्म करना होगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में जिक्र किया कि पाकिस्तान अब तालिबान के साथ सामंजस्य बनाने के लिए शांतिवार्ता जारी रखेगा।अफगान के गृह युद्ध ने पाकिस्तान की बढ़ाई परेशानीएक अप्रैल से 30 जून की रिपोर्ट के आधार पर पाकिस्तानी सरकार अफगानिस्तान में छिड़े गृह युद्ध को लेकर चिंतित है। क्योंकि, यह गृह युद्ध पाकिस्तान को अफगानिस्तान में प्रभाव बढ़ाने में मुश्किल पैदा करेगा और पाकिस्तान के खिलाफ विरोध पैदा कर देगा। तालिबान को मिल रहा वित्तीय सहयोग प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार पाकिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में अफगान-तालिबान के लिए वित्तीय योगदान बढ़ गया है। अफगानी-तालिबानी पाकिस्तान के नजदीकी बाजारों में खुलेआम घूमते देखे जा सकते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि तालिबानी आतंकी अब दुकानदारों से 50 डॉलर से अधिक पैसा मांगते हैं और अब यह बहुत आम हो चुका है।

तालिबान इस्लामिक अमीरात के विरोध में ईरानमीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान ने अफगानिस्तान से अमेरिका की सैन्य वापसी के कदम का स्वागत किया है, लेकिन अफगानिस्तान के हालात को लेकर चिंतित भी

है। रिपोर्ट के आधार पर यह बताया गया है कि ईरान अफगानिस्तान में अपना प्रभाव बनाए रखना चाहेगा। इसलिए वह नई तालिबान सरकार से भी सामंजस्य स्थापित करना चाहेगा। हालांकि, वह तालिबान इस्लामिक अमीरात के गठन के विरोध में है। एक रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि तालिबान नई सीमाओं को हथियाना जारी रखेगा। उधर, रिपोर्ट के अनुसार नॉदर्न अलायंस फिर से सक्रिय हो गया है और उसने तालिबान के खिलाफ सेना बनानी शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़- गरीबों का राशन चोरी कर रहे थे कांग्रेस नेता, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में लक्ष्मी राइस मिल के मालिक व जिला कांग्रेस महामंत्री गौरव अग्रवाल पर एफआईआर दर्ज की गई है। उन पर आरोप है कि वे राशन की दुकानों से राशन चुराने वाले गिरोह के साथ मिले हुए थे। गिरोह द्वारा चुराए गए चावल को वे खरीदकर अपनी मिल पर रखते थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए मिल के मैनेजर मन्नालाला समेत दो विक्रेताओं विजय कुमार व दौलत पात्रे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, लक्ष्मी राइस मिल के मालिक गौरव अग्रवाल का मोबाइल बंद आ रहा है और वे फरार हैं। उनकी तलाश में बिल्हा व चकरभाठा क्षेत्र में छापेमारी भी की गई थी, लेकिन पुलिस को अबतक सफलता नहीं मिली है। पांच अगस्त को खुला था मामला पुलिस की स्पेशल टीम ने पांच अगस्त को राशन दुकानों का ताला तोड़कर चीनी व चावल चुराने वाले गिरोह के सदस्यों को पकड़ा था। आरोपियों के पास से

500 बोरी चावल मौके पर बरामद हुआ, इस दौरान उनके पास से गाड़ी भी मिली।

पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि वे जिस राइस मिल में चावल बेचते हैं वह कांग्रेस नेता गौरव अग्रवाल का है। नाम सामने आने के बाद पुलिस ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। 72 घंटे की चेतावनी के बाद दर्ज हुई एफआईआरचावल चोरी में कांग्रेस नेता का नाम सामने आते ही भाजपा के नेता सक्रिय हो गए। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने एसपी दीपक झा से मुलाकात कर मिल मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कार्रवाई न होने पर 72 घंटे बाद उग्र प्रदर्शन की चेतावनी भी दी। इसके बाद पुलिस ने मिल मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की।

स्वतंत्रता दिवस पर ओटीटी एप 'टॉकीज' किया गया लॉन्च

SHAKEEL HASHMI BYJU NAIR YATIN RAO

फिल्म वितरण और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी बिग कर्टन्स इन्फो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रचारित टाल्कीज नए जमाने के फिल्म निर्माताओं को फिल्म, वेब के रूप में समकालीन शैली में ताजा कहानियों के साथ अपने काम का प्रदर्शन करने के लिए सीधी पहुंच प्रदान करेगा। हिंदी, अंग्रेजी, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में श्रृंखला, लघु फिल्म और कार्यक्रम।

शकील हाशमी कहते हैं, 'हम ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित सामग्री को विनियमित करने के लिए सरकार की पहल का समर्थन करते हैं। आकांक्षी अभिनेता और फिल्म निर्माताओं को सम्मोहक कहानी कहने वाले रूपों को प्रदर्शित करने वाली क्षेत्रीय सामग्री बनाकर विशाल भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवेश करने का लक्ष्य रखते हैं। यही बात टाकीज को दूसरों से अलग बनाती है।'

निदेशक और सीएफओ तरुण संगतानी कहते हैं, 'टॉल्कीज मौजूदा ओटीटी खिलाड़ियों के साथ कमियों की पहचान करने और वितरकों, एग्रीगेटर्स, प्रदर्शकों और प्रोग्रामर इत्यादि जैसे मनोरंजन उद्योग की रीढ़ की हड्डी के खिलाड़ियों की मदद करने के बाद बनाया गया है।'

निदेशक यतिन राव कहते हैं, 'अधिकांश मौजूदा खिलाड़ियों की सीमित क्षेत्रीय सामग्री वाले टियर II और टियर III शहरों में सीमित पहुंच है। वह भी नए और महत्वाकांक्षी फिल्म निर्माताओं द्वारा एक्सेस करना मुश्किल है। इसलिए हम गुणवत्ता बनाकर टियर 2 और टियर 3 शहरों के दर्शकों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रहे हैं। क्षेत्रीय सामग्री, जिसमें नई प्रतिभा और महत्वाकांक्षी फिल्म निर्माता शामिल हैं। अध्यक्ष बायजू नायर का मानना है, 'टॉकीज' का लक्ष्य मई, 2022 तक 15 लाख से अधिक मोबाइल फोन पर लाइव होना है। आने वाले समय में 6 करोड़ से अधिक दर्शकों की सेवा करने का लक्ष्य है। 5 साल में कंपनी का मूल्यांकन कई गुना बढ़ गया। टॉकीज' की यूएसपी यह है कि हमने अपनी पॉकेट-फ्रेंडली को विभाजित कर दिया है। लाइक हाशमी, डायरेक्टर और क्रिएटिव हेड और पोस्ट-प्रोडक्शन तकनीकी पहलुओं में एक विशेषज्ञ, एक फिल्म को प्रचार और रिलीज के लिए तैयार करने में एक दशक के अनुभव के साथ कहते हैं। टॉकीज एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। यह एक महीने के लिए मुफ्त है, ताकि आप गुणवत्तापूर्ण सिनेमा देखने का एक नया अनुभव प्राप्त कर सकें।

रक्षा बंधन 2021-कार्तिक आर्यन-दीपिका पादुकोण से लेकर रणवीर सिंह तक, इन पॉपुलर सेलेब्स के भाई-बहन रहते हैं लाइमलाइट से दूर

बॉलीवुड एक्टर हमेशा से ही अपनी पर्सनल लाइफ के चलते लाइमलाइट में रहते हैं, हालांकि कई पॉपुलर सेलेब्स के भाई-बहन ऐसे भी हैं जो हमेशा से ही ग्लैमर वर्ल्ड और लाइमलाइट से दूरी बनाए रखते हैं। आज रक्षाबंधन के खास मौके पर आइए आपको मिलाते हैं पॉपुलर सेलेब्स के ऐसे भाई-बहनों से जिनसे हर कोई अनजान है।

कार्तिक आर्यन- कृतिका तिवारी

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन अपनी छोटी बहन कृतिका से बेहद करीब हैं। लॉकडाउन के दौरान कई बार एक्टर ने अपनी बहन के साथ मजेदार वीडियोज शेयर कर फैंस को उनकी झलक दिखाई थी। कृतिका विदेश में रहकर मेडिकल की पढ़ाई कर रही हैं।

दीपिका पादुकोण- अनीषा पादुकोण

हमेशा से कैमरों से घिरी रहने वालीं दीपिका पादुकोण की बहन अनीषा को लाइमलाइट से दूर रहना पसंद हैं। अनीषा, दीपिका से छोटी हैं और उन्होंने पिता प्रकाश पादुकोण की तरह स्पोर्टस में अपना करियर बनाया है। अनीषा प्रोफेशनल गोल्फ प्लेयर हैं।

अनुष्का शर्मा- कर्णेश

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा के छोटे भाई कर्णेष प्रोड्यूसर हैं। एक्ट्रेस ने भाई के साथ मिलकर साल 2019 में अपना प्रोडक्शन हाउस क्लीन स्लेट शुरू किया है जिसके बैनर तले अब तक पातालोक और बुलबुल सीरीज बन चुकी हैं।

प्रियंका चोपड़ा- आकाश चोपड़ा

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक बेहतरीन पहचान बना चुकीं प्रियंका चोपड़ा के छोटे भाई आकाश एक शेफ हैं। आकाश ने होटल मैनेजमेंट का कोर्स किया था। एक्ट्रेस अपने भाई से बेहद क्लोज हैं।

रणवीर सिंह- रितिका भवनानी

बॉलीवुड के सबसे एनर्जेटिक एक्टर समझे जाने वाले रणवीर सिंह अपनी बड़ी बहन रितिका को अपनी मां की तरह मानते हैं। रितिका बेहद ग्लैमरस और स्टाइलिश हैं, हालांकि वो खुद को कैमरों और लाइमलाइट से दूर रखती हैं।

शाहरुख खान- शहनाज खान

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख की बहन शहनाज को कम ही लोगों ने देखा है। जहां भाई शाहरुख एक लग्जरी जिंदगी जी रहे हैं वहीं शहनाज आम जिंदगी जीना और प्राइवेसी में जीना पसंद करती हैं।

ऐश्वर्या राय- आदित्य राय

एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय अपने भाई आदित्य से बहुत करीब हैं। आदित्य मर्चेंट नेवी के इंजीनियर हैं जिन्हें कई फैमिली फंक्शन में एक्ट्रेस के साथ स्पॉट किया गया

खुशी कपूर के डेब्यू पर सस्पेंस-जोया अख्तर की फिल्म से बेटी खुशी कपूर के डेब्यू पर बोले बोनी कपूर, 'मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है'

बॉलीवुड के कई स्टारकिड्स को लेकर खबरें सामने आ रही हैं कि वह जोया अख्तर की अगली फिल्म से डेब्यू करने जा रहे हैं। इन स्टारकिड्स में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान,अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और श्रीदेवी-बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर का नाम शामिल है। कहा जा रहा है कि जोया नेटफ्लिक्स के लिए आर्ची कॉमिक्स का इंडियन एडेप्टेशन बना रही हैं जिसमें कई सारे स्टारकिड्स नजर आ सकते हैं।

हालांकि, बोनी कपूर ने अपनी बेटी को लेकर सामने आ रही ऐसी खबरों का खंडन कर दिया है। उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। मुझे नहीं पता कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं। बोनी ने इससे पहले कहा था कि वह चाहते हैं कि खुशी को कोई और बॉलीवुड में लॉन्च करे। बोनी का कहना था कि वह चाहते हैं कि खुशी अपना रास्ता खुद तलाशें। वह बेटी को लॉन्च कर सकते हैं लेकिन वो ऐसा नहीं करेंगे।

करण जौहर कर सकते हैं लॉन्च

बोनी कपूर ने ये भी संकेत दिया था कि खुशी को फिल्ममेकर करण जौहर अपनी किसी फिल्म से लॉन्च कर सकते हैं। खुशी इन दिनों अमेरिका में एक्टिंग कोर्स कर एक्टिंग के गुर सीख रही हैं। खुशी अभी 20 साल की हैं लेकिन इतनी छोटी उम्र में वह बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हो गई हैं।

जान्हवी बन गई एक्ट्रेस

खुशी की बड़ी बहन जान्हवी ने 2018 में फिल्म 'धड़क' से डेब्यू किया था। इस दौरान जान्हवी की उम्र 21 साल की थी। फिल्म ज्यादा नहीं चली लेकिन जान्हवी को हाथोंहाथ लिया गया। इस फिल्म के बाद गुंजन सक्सेना और नेटफ्लिक्स की फिल्म 'घोस्ट स्टोरीज' में दिखीं। 2021 में वह 'रूही' में दिखाई दी थीं। अब उनकी फिल्म 'दोस्ताना 2' की शूटिंग चल रही है।

बेल बॉटम-20 सितंबर को होगी अक्षय कुमार की फिल्म ओटीटी पर रिलीज, तकरीबन 75 करोड़ में बिकी है यह फिल्म

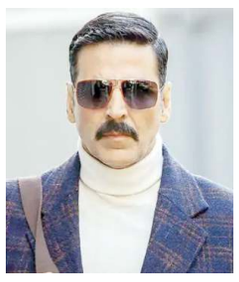

लंबे इंतजार के बाद, भारत के कुछ हिस्सों में सिनेमाघर फिर से खुल गए हैं और अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'बेल बॉटम' ने फिल्म रिलीज कर उन्हें अनलॉक कर दिया है। एक तरफ जहां 'बेल बॉटम' की रिलीज के बाद, अक्षय कुमार के फैन्स काफी खुश हैं तो उनमें से कई फैन्स जो महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, सिक्किम और अंडमान जैसे राज्यों में हैं उनके दिल टूट गए हैं क्योंकि इन शहरों में चल रही महामारी के बीच थिएटर अभी भी बंद हैं। वैसे, इन फैन्स के लिए एक खुशखबरी है कि मेकर्स ने अब इस फिल्म को अगले महीने डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज करने का फैसला किया है। रिलीज के 4 हफ्ते बाद ही ऑडियंस इसे ओटीटी प्लेटफार्म पर देख पाऐगी फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र बताते हैं, "मेकर्स ने अमेजन प्राइम को ये फिल्म तकरीबन 75 करोड़ में बेच दी है। आम तौर पर थिएट्रिकल रिलीज के बाद, कोई भी फिल्म तकरीबन 8 हफतों बाद ही डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज हो पाती है हालांकि 'बेल बॉटम' के साथ ऐसा नहीं है। फिल्म के रिलीज (19 अगस्त) के 4 हफ्ते बाद ही ऑडियंस इसे ओटीटी प्लेटफार्म पर देख पाऐगी। यही वजह हैं कि अमेजन प्राइम ने मेकर्स को इतनी बड़ी रकम चुकाई है। प्लानिंग के मुताबिक, फिल्म 20 सितंबर को ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज होगी।" आपको बता दें, अगले दो महीने में 'बेल बॉटम' के अलावा अमिताभ बच्चन की फिल्म 'चेहरे', जॉन अब्राहम की 'सत्यमेव जयते 2', नुसरत भरूचा की 'चोरी' और इमरान हाश्मी की 'एजरा' भी अमेजन प्राइम पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

तेजस-कंगना रनोट ने मुंबई में शुरु की तेजस की शूटिंग, टीम को शुक्रिया अदा कर बोलीं- जोश ऊंचा उड़ रहा है

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोत इन दिनों बैक-टू-बैक फिल्में कर रही हैं। हाल ही में विदेश में धाकड़ की शूटिंग कर चुकीं कंगना ने शुक्रवार को अपने प्रोडक्शन की फिल्म टीकू वेड्स शेरू के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू किया था,

जिसके बाद एक्ट्रेस ने अब मुंबई में अपकमिंग फिल्म तेजस की शूटिंग शुरू कर दी है।

कंगना रनोट ने तेजस फिल्म के सेट से एक तस्वीर शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'अपने अगले मिशन तेजस में हूं। आज से शुरू कर रही हूं। जोश ऊंचा उड़ रहा है, मेरी बेहतरीन टीम की बदौलत'। सामने आई तस्वीर में कंगना रनोट पायलट की यूनिफॉर्म में नजर आ रही हैं। रॉनी स्क्रूवाला द्वार निर्मित इस फिल्म का निर्देशन सर्वेश मेवारा ने किया है।

फिल्म की शूटिंग मुंबई में जारी है। इससे पहले मार्च में एक्ट्रेस ने बीकानेर के चुरू में चार दिनों तक

फिल्म की शूटिंग की थी। एक्ट्रेस इस फिल्म में एयरफोर्स पायलट का रोल प्ले करेंगी जिसके लिए वो बेहद एक्साइटेड हैं।

कंगना के पास कई बड़े प्रोजेक्ट

कंगना रनोट की फिल्म थलाइवी सिनेमाघरों के खुलने का इंतजार कर रही है जिसमें एक्ट्रेस ने पूर्व सीएम जे जयललिता का रोल प्ले किया है। इसके अलावा कंगना धाकड़, एमर्जेंसी जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी। नवम्बर से एक्ट्रेस के प्रोडक्शन में बन रही फिल्म टीकू वेड्स शेरू की शूटिंग भी शुरू की जाएगी। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी लीड रोल में हैं।

सयानी गुप्ता को है शादी में धोखा मिलने का डर, बोलीं- यही कारण है जिसकी वजह से मुझे शादी नहीं करनी

अमेजॉन मिनी टीवी की 'काली पीली टेल्स' रिलीज हो गई है। छह भागों में बनी यह सीरीज मुंबईकर की अलग-अलग कहानियों को दर्शाती है। सयानी गुप्ता 'सिंगल झुमका' में प्रियांशु पेन्युली और भुवन अरोड़ा के साथ नजर आ रही हैं। वो सीरीज में एक ऐसी महिला की भूमिका निभा रही हैं जो अपने साथी को धोखा देती है। एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान सयानी कहती हैं कि मुझे शादी में धोखा मिलने से डर लगता है और यही कारण है जिसकी वजह से मुझे शादी नहीं करनी है। सयानी को लगता है समय बदल रहा है सयानी ने कहा, "मुझे लगता है कि समय बदल रहा है और रियलिटी बदल गई है। लेकिन इससे भी ज्यादा, मुझे लगता है कि आदमी का पत्नी को धोखा देना और पत्नी का उसे वापस अपना लेना अभी भी बहुत सामान्य है। इस मामले में, 'सिंगल झुमका', धोखा देने वाली महिला और आदमी का उसे वापस ले लेना, या उससे बातचीत करना, और चोट ना पहुचाना एक बहुत गहरे मेल ईगो से नहीं आता है, 'आप मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं', यह बात बहुत कम देखी जाती है।" सयानी ने की डायरेक्टर अदीब रईस की तारीफ सयानी ने कहा, "डायरेक्टर अदीब रईस के लिए जिन्हों ने इसे लिखा है, जिस तरह से यह लिखते हैं और बहुत ही सिंपल रखते हैं, क्योंकि, उनकी लाइफ में जो कुछ भी होता है, उसके बाद होने वाली बातचीत बहुत दिलचस्प है और यह बहुत रियल है, यह सामान्य, सरल और ईमानदार लगता है। काश कपल्स के बीच इस तरह की बातचीत हो सकती।

IFFM अवॉर्ड 2021-मनोज बाजपेयी, पंकज त्रिपाठी, सूर्या और विद्या बालन को किया गया सम्मानित, 'मिर्जापुर' ने बेस्ट सीरीज का अवॉर्ड जीता

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (IFFM) 2021 का शुक्रवार को समापन हुआ। 12 अगस्त को इस समारोह की शुरुआत हुई थी। पिछले साल के डिजिटल प्रारूप की सफलता के बाद IFFM का 12वां सीजन कोविड-19 महामारी के बीच वर्चुअली और लोगों की भागीदारी समेत दोनों ही तरीके से आयोजित किया गया था। इस साल के फेस्टिवल में देश भर से फीचर और शॉर्ट फिल्मों की प्रभावशाली सीरीज देखने को मिली। सिनेमा के माध्यम से विविधता के विषय का प्रतिनिधित्व करते हुए IFFM को दुनिया भर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली हैं।विद्या बालन ने बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता IFFM ने पंकज त्रिपाठी को लाट्रोब यूनिवर्सिटी द्वारा प्रस्तुत प्रतिष्ठित 'डायवर्सिटी इन सिनेमा अवॉर्ड से सम्मानित किया। इसके अलावा 'सोरारई पोट्टु' को बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड मिला। वहीं सूर्या ने 'सोरारई पोट्टु' के लिए बेस्ट एक्टर का पुरस्कार भी जीता। विद्या बालन ने अपनी प्रशंसित फिल्म 'शेरनी' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता। 'मिर्जापुर' को बेस्ट सीरीज का पुरस्कार दिया गया। मशहूर फिल्म निर्माता अनुराग बसु ने अपनी फीचर फिल्म 'लूडो' के लिए बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड जीता। विजेताओं के बारे में बात करते हुए फेस्टिवल के निदेशक मीतू भौमिक लांगे ने कहा, "हम सभी विजेताओं और उनकी टीमों को शानदार फिल्में बनाने के लिए बधाई देते हैं, जिन्हें दुनिया भर के दर्शकों ने पसंद किया है। अब समय आ गया है कि हम सिनेमा में और सिनेमा के बारे में बातचीत करें जो मुख्यधारा और पक्षपाती नहीं हैं। यह विभिन्न संवेदनाओं को कहानियों के माध्यम से प्रस्तुत करने का समय है, जो अभूतपूर्व हैं और IFFM पुरस्कारों के सभी विजेता विचार के इस उत्साह का प्रतीक हैं।"फेस्टिवल में ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों, माननीय लिंडा डेस्सौ ए सी, विक्टोरिया के गवर्नर श्री एंड्रयू हॉवर्ड ए एम क्यू सी, माननीय मंत्री डैनी पियर्सन, क्रिएटिव उद्योग मंत्री, रेगुलेटरी सुधार, सरकारी सर्विसेस और सहायक ट्रेअसुरेर, माननीय मंत्री ल्यूक डोनेलन, बाल संरक्षण मिनिस्टर, विकलांगता, एजिंग और केरेर्स मिस कैरोलिन, सीईओ फिल्म विक्टोरिया ने भाग लिया। इनके साथ अनुराग कश्यप, शूजीत सरकार, त्यागराजन कुमारराजा, श्रीराम राघवन जैसे प्रख्यात भारतीय कलाकार प्रस्तुतकर्ताओं में से थे। ऋचा चड्ढा, गुनीत मोंगा, ओनिर, ऑस्ट्रेलियाई फिल्म निर्माता जेफ्री राइट, ऑस्कर नामांकित संपादक जिल बिलकॉक सहित प्रतिष्ठित जूरी सदस्य भी उपस्थित थे।

कौन बनेगा करोड़पति 13-शो में 18वीं शताब्दी से प्रेरित है होस्ट अमिताभ बच्चन का लुक, डिजाइनर प्रिया पाटिल बोलीं- स्टाइलिंग के मामले में वो बहुत क्लासी हैं

डिजांइनर प्रिया पाटिल पिछले 10 सालों से मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ बतौर स्टाइलिस्ट जुड़ी हुई हैं। पॉपुलर गेम रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के हर सीजन में प्रिया बिग बी के लिए अलग-अलग स्टाइल का प्रयोग करती हैं। इस सीजन भी प्रिया ने उनके स्टाइल में कुछ बदलाव किए हैं। हाल ही में दैनिक भास्कर से खास बातचीत के दौरान प्रिया ने बिग बी के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात की और बताया।

स्टाइलिंग के मामले में बिग बी बहुत क्लासी हैं

प्रिया कहती हैं, "जब बिग बी को स्टाइल करने की बात आती है, तो वो खुले तौर पर सुझाव लेते हैं और कई अवसरों पर अपने स्वयं के स्टाइल टिप्स भी उसमें जोड़ते हैं। स्टाइलिंग के मामले में वो बहुत क्लासी हैं, साथ ही कम्फर्ट उनके लिए बहुत मायने रखता है। जाहिर है, एक दिन में कई घंटे उन्हें हॉट सीट पर बैठना होता है, सेट पर कई घंटे बिताने होते हैं तो ऐसे में स्टाइलिंग के दौरान हम उनका कम्फर्ट प्राथमिकता में रखते हैं। मैं पिछले 10 सालों से इस शो से जुड़ी हूं, बिग बी से जुड़ी हूं और हर बार उनके स्टाइलिंग में एक नयापन लाने की उत्सुकता जितना मुझमें होती है, उतना ही बिग बी में भी होता है।" शो में टाई-बो में दिखेंगे बिग बी प्रिया आगे कहती हैं, "इस सीजन मैंने टाई-बो इंट्रोड्यूज किया है जो कि बो-टाई से बिलकुल अलग है। 18वीं शताब्दी में जिस तरह के कपड़े पुरुष पहना करते थे, कुछ उसी स्टाइल से प्रेरित होकर हमने बिग बी के लिए स्टाइलिंग की है। लंबी जैकेट, नैक टाई में ब्रोच, एम्ब्रायडरी वाली टाई कुछ इसी स्टाइल में हमने थोड़ा बदलाव किया है। इस बार ऑडियंस उन्हें थ्री पीस पर टाई और बो एक साथ पहनते हुए देखेगी जो कि बहुत ही यूनिक होगा। साथ ही मिस्टर बच्चन को क्लासिक लुक ज्यादा पसंद है और इसीलिए उनके कपड़े के रंग के साथ हमने ज्यादा फेर बदल नहीं किया है। पिछले 3 सीजन से हमने डार्क रंग का इस्तेमाल किया था जैसे काला, वाइन कलर, नीला, इस बार भी वो ज्यादातर इन्ही रंगों के कपड़ों में नजर आएंगे। बिग बी की सबसे अच्छी बात ये है कि वो अलग-अलग स्टाइल को अपनाने में हमेशा उत्सुक रहते हैं, जिसकी वजह से हम उन पर एक्सपेरिमेंट करने से झिझकते नहीं हैं।"

इटली, टर्की, यूरोप से मंगवाए बिग बी के लिए फैब्रिक्स

अमिताभ बच्चन के इस लुक के लिए, प्रिया दुनिया के कई हिस्सों से उनके लिए फैब्रिक इम्पोर्ट करवाती हैं। इस बारे में वो कहती हैं, "पिछले सीजन लॉकडाउन की वजह से हम फैब्रिक्स को दूसरे देशों से इम्पोर्ट नहीं कर पा रहे थे जिसकी वजह से मैंने स्थानीय व्यापारियों को पहली प्राथमिकता दी थी।

(CTBUH)-उद्योग के विशेषज्ञों से सीखने के लिए अवसर

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

काउंसिल ऑन टॉल बिल्डिंग्स एंड अर्बन हैबिटेट (CTBUH) शहरों के भविष्य में रुचि रखने वाले सभी लोगों के लिए दुनिया का अग्रणी गैर-लाभकारी संगठन है। यह पता लगाता है कि कैसे शहरी घनत्व और ऊर्ध्वाधर विकास अधिक टिकाऊ और स्वस्थ शहरों का समर्थन कर सकता है, विशेष रूप से बड़े पैमाने पर शहरीकरण और दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के सामने।

1969 में संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थापित, (CTBUH) सदस्य नेटवर्क दुनिया के लगभग सभी देशों में सभी निर्माण उद्योग क्षेत्रों में काम कर रहे एक मिलियन से अधिक पेशेवरों को शामिल करता है: निवेशक, मालिक-डेवलपर्स, कब्जा-किरायेदार, सरकारी एजेंसियां, शहरी योजनाकार, आर्किटेक्ट, इंजीनियर , ठेकेदार, बुनियादी ढांचा विशेषज्ञ, लागत सलाहकार, भवन प्रबंधक, कानूनी फर्म, सामग्री-प्रणाली आपूर्तिकर्ता और शिक्षाविद।

परिषद अपने क्षेत्रीय अध्यायों और विशेषज्ञ समितियों के माध्यम से हर साल दुनिया भर में सैकड़ों बहु-विषयक कार्यक्रम चलाती है; इसके वार्षिक सम्मेलन और वैश्विक पुरस्कार कार्यक्रम; वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं और अकादमिक सहयोग के माध्यम से। "दुनिया की सबसे ऊंची इमारत" जैसे खिताब प्रदान करता है। विस्तार से, इसका "बिल्डिंग ऑफ डिस्टिंक्शन" कार्यक्रम सार्वजनिक साइनबोर्ड और पट्टिकाओं की स्थापना के माध्यम से महत्वपूर्ण परियोजनाओं की उपलब्धियों को पहचानता है। वैश्विक स्तर पर संचालन, (CTBUH India) सभी कंपनियों और पेशेवरों के लिए अत्याधुनिक सूचना-साझा और व्यापार नेटवर्किंग दोनों के

(CTBUH India) उद्योग के विशेषज्ञों से सीखने के लिए भारत में छात्रों के लिए अवसर प्रदान कर रहा है।

इसकी वेबसाइट सदस्यों को 30,000 से अधिक ऊंची इमारतों पर विस्तृत डेटा, छवियों और तकनीकी जानकारी का फायदा उठाने के लिए उपकरण प्रदान करती है।परिषद को सबसे ऊंची इमारत की ऊंचाई के मध्यस्थ और वैश्विक प्राधिकरण के रूप में जाना जाता है जो लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जो शहरों की स्थापना, डिजाइन, निर्माण और संचालन पर केंद्रित है, और इसमें शामिल इमारतें हैं।

(CTBUH India) वास्तुकला संस्थानों के साथ ज्ञान भागीदारों के रूप में सहयोग कर रहा है और ज्ञान के प्रसार के लिए कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है। अधिक विस्तृत जानकारी के लिए आप ctbuh.org और tsapmumbai.in जा सकते

हार्दिक हूंडीया के नेतृत्व में इंटरनेशनल डायमंड डे द्वारा आयोजित कोहिनूर ऑफ इंडिया का भव्य सम्मान समारोह संपन्न

12 अगस्त 2021 इंटरनेशनल डायमंड डे के समारोह में लोकमत ग्रूप के चेरमेन श्री विजय भाई दर्डा, दुबई से विश्व प्रसिद्ध हीरा व्यापारी श्री विजयभाई शाह, कल्याण जवेलर्स के मालिक श्री टी जे एस कल्याणरमन, ये रिश्ता क्या कहलाता है और अनुपमा के निर्माता श्री राजन शाही , व्यपारीयोके लिये लड़ने वाले नेता श्री राज के पुरोहित, धर्मप्रेमी श्री रमेशभाई मुथा, हीरा बाज़ार की प्रतिष्ठित पेढी शेरू जेम्स वाले श्री कुमार मेहता , उध्योगपती श्री दिनेशभाई अग्रवाल, चाँदी के व्यापारी श्री अंशुलभाई सोनावाला, पूर्व राष्ट्रपती अब्दुल कलाम के भतीजे श्री सलीम शेख़, वरिष्ठ क़ानून धाराशास्त्री श्री अश्विन भाई आँखंड , महाराष्ट्र , गोवा बार कौंसिल के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ धाराशास्त्री श्री आशिफ भाई कुरेसी, भवन निर्माता आनंद पंडित जैसे महानुभावो ऑनलाइन जुड़े और ये सभी को कोहिनूर ओफ़ इंडिया सम्मान से सम्मानित भी किये।

ब्रिटेन की शोभा बढ़ा रहा हमारा कोहिनूर हमें वापस कैसे मिले ? हार्दिक हुँड़िया के ये अनमोल विचार को और अनमोल बनाया वरिष्ठ धाराशास्त्री श्री रिज़वान भाई मर्चेंट के साथ साथ लंदन से जुड़े वरिष्ठ धाराशास्त्री डॉक्टर रेणुराज ने ।गुजरात के मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रूपानी और राजस्थान के मुख्यमंत्रीश्री ने भेजा संदेश ।न्यूयॉर्क से हीरे के व्यापारी और गोल्डमेडालिष्ठ वरिष्ठ धाराशास्त्री श्री दिव्यकांत भाई ने इंटरनेसंल डायमंड डे के कार्य की सराहना की। मिस इंडिया सिमरन आहूजा और लाफ्टर चेलेंज के हास्य कलाकार धारशी बेरेडिया ने कार्यक्रम की सम्भाली कमान पार्श्व गायक सुदेश भोसले ने खुद के गाने गाके महोल रंगीन बना दिया बोलिवूड लेड़ीस ऑर्कस्ट्रा ने तीन घंटा संगीतमय महोल के कई गीते गाकर अनमोल ख़ुशी का पल पल बना दिया।

देश की प्रख्यात इवेंट कंपनी स्टार कनेक्ट ने कार्यक्रम किया और पूरा कार्यक्रम ग्रेवीटी स्टूडीओमें हूया ।

मुंबई शहर के प्राइम लोकेशन नरिमान पोईंट, वरली, सेंटाक्रूज़ हाइवे जैसे एरिया में बड़े बड़े होर्डिंग लगाये गये।

एनजीओ "एकता मंच" ने जरूरतमंदों को बांटी राशन किट

अजय कौल, सदाफ शेख, प्रशांत काशीद, एड. फाल्गुनी ब्रह्मभट्ट ने समाज के वंचित वर्गों की मदद के लिए अभियान शुरू किया

मुंबई स्थित एनजीओ "एकता मंच" और उसके अध्यक्ष अजय कौल के साथ प्रशांत काशीद, सदाफ शेख, एडवोकेट फाल्गुनी ब्रह्मभट्ट और उसकी टीम के सदस्य लगातार वंचित वर्गों और जरूरतमंद लोगों की हर समय मदद करते रहे हैं। एक बार फिर सामाजिक संगठन ने कोरोना महामारी प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। विस्तारित लॉकडाउन, प्रतिबंधों और सबसे बढ़कर वायरस के संक्रमण से समाज के कई वर्गों में आजीविका से वंचित होने से कई लोगों का जीवन दयनीय हो गया है। सरकारी सहायता भी उन तक नहीं पहुंच पाती है।

सभी क्षेत्रों में अपने प्रहार को प्रतिबिंबित करते हुए और मानवीय कारणों में सहायता के लिए हाथ बढ़ाते हुए, सामाजिक संगठन "एकता मंच" ने विभिन्न वर्गों को राशन किट वितरित किए। इस बार सीडब्ल्यूसी हाई स्कूल सभागार, यारी रोड, वर्सोवा, मुंबई के सभागार में गुरुवार, 19 अगस्त 2021 की पूर्व संध्या पर गरीब और प्रभावित परिवारों, ऑटो रिक्शा चालकों, मीडियाकर्मियों और अन्य लोगों को किराना किट वितरित किए किए गए।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी का भाई तालिबान में शामिल

तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान की स्थिति दिन ब दिन बिगड़ती जा रही है। तालिबानी लड़ाके हिंसक वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इसी बीच बड़ी खबर आ रही है कि अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी का भाई हशमत गनी तालिबान में शामिल हो गया है। हशमत गनी ने तालिबान को समर्थन करने का एलान किया है। हशमत गनी के तालिबान में शामिल होने की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। तालिबान के साथ हशमत गनी के आने से आतंकी संगठन को मजबूती मिलने के आसार हैं। सूत्रों की मानें तो हशमत गनी अशरफ गनी का भाई है और वह अफगानिस्तान की राजनीति और कूटनीति को अच्छी तरह से जानता है। इसका फायदा सीधे-सीधे तालिबान को मिलेगा। बता दें कि अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद 15 अगस्त को अशरफ गनी अपने परिवार के साथ चार्टर्ड विमान से देश छोड़कर भाग गए थे। फिलहाल अशरफ गनी यूएई में शरण लिए हुए हैं।

अवंतीपोरा में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मुठभेड़ में जैश के तीन आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने शनिवार को जैश ए मोहम्मद के तीन आतंकवादियों को मार गिराया है। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान चल रहा है। जानकारी के अनुसार, अवंतीपोरा के नागबेरन त्राल के वन इलाके के ऊपरी इलाकों में यह मुठभेड़ चल रही थी। दरअसल, खुफिया एजेंसियों को सूचना मिली थी कि वन इलाके में कुछ आतंकी छिपे हैं। सूचना मिलते ही जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना के जवानों ने इलाके को घेर लिया। आतंकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को समर्पण के लिए कहा, लेकिन आतंकी नहीं माने। आतंकी लगातार सुरक्षाबलों पर फायरिंग करते रहे। इस पर सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े तीन आतंकियों का खात्मा कर दिया।

मारे गए तीन आतंकवादियों के पास से दो एके-47 राइफल, एक एसएलआर और अन्य सामान बरामद किया गया है। उधर कश्मीर जोन के आईजी विजय कुमार ने बताया कि आज मुठभेड़ में मारा गया जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी वकील शाह, राकेश पंडिता की हत्या में शामिल था। हिजबुल के हिट स्क्वायड के दो आतंकी ढेरइससे पहले दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले के खीव में सुरक्षाबलों ने गुरुवार को रातभर चली मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के दो आतंकियों को मार गिराया। मारे गए आतंकी हिजबुल के हिट स्क्वायड के सदस्य थे जो इलाके में नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार थे। दोनों आतंकी कई नागरिक हत्याओं में शामिल थे। इनसे एक एके 47 राइफल, एक पिस्टल तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद की गई हैं। सुरक्षाबलों का मानना है कि इनके मारे जाने से इलाके में नागरिकों के उत्पीड़न में कमी आएगी। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि गुरुवार की देर रात पुलिस ने खीव में दो आतंकियों की मौजूदगी की सूचना दी। इस पर 50 राष्ट्रीय राइफल्स, पुलिस व 185 बटालियन सीआरपीएफ ने रात के एक बजे गांव की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। घेरा सख्त होता देख मकान में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, सुरक्षाबलों ने संयम बरता।

उन्होंने तत्काल उस मकान और आस-पास के इलाके को खाली कराया जहां आतंकी छिपे थे ताकि वे क्रास फायरिंग की चपेट में न आएं। इसके बाद कई बार आतंकियों को समर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

सेक्स रैकेट में पकड़ी गई टॉप मॉडल और अभिनेत्री

2 घंटे का चार्ज 2 लाख रुपये

मुंबई, पॉर्न केस का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि, इस बीच सेक्स रैकेट का शुक्रवार को एक बड़ा मामला सामने आया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक टॉप मॉडल और एक नामी टीवी अभिनेत्री को जुहू के एक पांच सितारा होटल से पकड़ा। हालांकि जांच टीम ने इन दोनों को गिरफ्तार नहीं दिखाया, बल्कि रेस्क्यू बताया है। इस केस में ईशा खान नामक एक महिला दलाल को अरेस्ट दिखाया गया है। सीनियर इंस्पेक्टर मनीष श्रीधनकर ने एनबीटी को बताया कि पूछताछ में ईशा खान ने बताया कि वह इस सेक्स रैकेट को पिछले कई साल से चला रही थी। डीसीपी दत्ता नलावडे को किसी ने जब ईशा खान के बारे में टिप दी, तो उन्होंने अपनी टीम को अलर्ट किया। क्राइम ब्रांच ने ऐसे बनाया प्लान फौरन ईशा खान से क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने फर्जी ग्राहक बनकर कॉल किया। कहा, कि मेरे और मेरे दोस्त को टॉप मॉडल्स चाहिए हैं। ईशा खान ने कई फोटो वॉट्सऐप पर भेजे। क्राइम ब्रांच अधिकारी ने दो लड़कियों के फोटो सेलेक्ट किए। इनमें एक ने कई विज्ञापनों में काम किया है और दूसरी ने कई टीवी धारावाहिकों में अभिनय किया है। दो घंटे का दो लाख रुपये रेट फिक्स किया था

ईशा खान ने प्रति लड़की का दो घंटे का दो लाख रुपये का सौदा तय किया। इन दो लाख रुपये में खान को 50 हजार रुपये दिए जाने की बात थी, जबकि जिन दो लड़कियों को सेलेक्ट किया गया था, ग्राहकों से मिली रकम से उन्हें डेढ़-डेढ़ लाख रुपये ईशा खान द्वारा दिए जाते। क्राइम ब्रांच ने मॉडल एक्ट्रेस समेत दलाल को किया अरेस्ट

फर्जी ग्राहक बने क्राइम ब्रांच अधिकारी ने सौदे के लिए हां कर दी। जुहू का होटल भी बुक करा दिया गया। गुरुवार रात जैसे ही महिला दलाल और मॉडल व अभिनेत्री उस होटल के बाहर पहुंचे, क्राइम ब्रांच टीम ने उन्हें अपनी गिरफ्त में ले लिया।

पूछताछ में क्या बोलीं मॉडल और एक्ट्रेस?

मॉडल और टीवी अभिनेत्री ने बताया कि कोरोना की वजह से लगे लॉकडाउन के कारण विज्ञापनों और टीवी धारावाहिकों की शूटिंग बंद थी। इसलिए वह इस धंधे में आई।

कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ईडी के सामने पेश होऊंगा-देशमुख

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार में पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद' वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होंगे। ईडी ने देशमुख को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच के संबंध में तलब किया था। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कहा था कि देशमुख कानून के दायरे में उपलब्ध कोई भी उपाय अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं। देशमुख ने अपने बयान में कहा कि शीर्ष अदालत ने सोमवार को उन्हें निचली अदालत का रुख करने की अनुमति दी थी। उन्होंने कहा, 'कानूनी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इसके पूरा होने के बाद मैं ईडी के सामने पेश हो जाऊंगा। मैं ईडी के साथ सहयोग करूंगा। मैंने अपने सामाजिक राजनीतिक जीवन में सदा ऊंचे आदर्शों का पालन किया है।'

ज्योत से ज्योत जलाओ की परंपरा के साथ हार्दिक हुडिया ने किया उद्घाटन

थाने के रायगढ़ आड़ी मैं पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शशिकांत लोधे द्वारा स्थापित मल्हार मेडिकल स्टोर का उद्घाटन इंटरनेशनल डायमंड डे स्थापक और स्टार रिपोर्ट के संपादक हार्दिक हुंडिया द्वारा किया गया

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।